छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 06 अंक - 79 बैकुंठपुर, रविवार 21 दिसंबर 2025 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com

मौसमी खुमार के बीच शीतलहर जारी, ठंड के साथ कोहरे ने बढ़ाई मुश्किलें

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में सर्दी का असर जारी है। सुबह-सुबह कोहरा भी देखने को मिल रहा है, जिससे विजिबिलिटी घटी है, जिससे सड़क पर वाहन चलाना जोखिम भरा हो गया है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना है। ठंड के साथ कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। 20 दिसम्बर को अधिकतम तापमान 21.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर तक सूर्य का दर्शन नहीं होने से लोग घरों में हीटर की गर्माहट और अलाव की तपिश लेते रहे ।

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट का कहना है कि सुबह के समय धरती की सतह अपने न्यूनतम तापीय स्थिति में रहती है, तब यदि इसकी सतह से किसी बाहरी विक्षोभ या मौसमी घटक की ठंडी हवा गुजरती है तब हवा में उपस्थित जलवाष्प कणों के संघनन की दर बढ़ जाती है। ये जलवाष्प के संघनित कण द्रव रूप में या अधिक शीतल होने पर ठोस रूप में हवा में तैरने लगते हैं। हवा में तैरते इन संघनित कणों को उनके घनत्व के आधार पर कुहासा कोहरा बादल आदि के रूप में परिभाषित किया जाता है। घनत्व कम हो दृश्यता अधिक बाधित न हो तो कुहासा, घनत्व अधिक हो तो दृश्यता की बाधा भी अधिक होगी तब यह कोहरा और वायुमण्डल में ऊपर हो तो बादल। उन्होंने बताया इन दिनों हमारे आसपास बनने वाला कोहरा ठंडी धरती की सतह से गुजरने वाली ठंडी हवा के संघनन के कारण है। रात में स्वच्छ आकाश, पश्चिमी विक्षोभ की बाहर से आने वाली मन्द शुष्क वायु और शांत शीतल वायुमण्डल कोहरा बनने की सभी आवश्यक प्रतिमानों को पूर्ण कर रही है, जो विकिरण कोहरा के बनने में सहायक होता है। दिन के समय जब सूर्य की किरणों के साथ ऊष्मीय ऊर्जा भी आपतित होती हैं जो धरती की सतह से टकरा कर सतह को गर्म करती हैं। इस गर्म सतह से ऊष्मा का विकिरण प्रारंभ होता है जो टकराने वाली हवा को गर्म करता है और हवा गर्म होने के बाद हल्की हो कर ऊपर उठती है, जिससे वायुमण्डल में गर्माहट आती है। पृथ्वी की सतह से निरंतर उठने वाली विकिरण तरंगे वायुमण्डल को पार करती हुई बाहरी आकाश में चली जाती है। यह प्रक्रिया धरती के ऊष्मा बजट को संतुलित रखने में सहायक होती है। यदि ऊष्मा का सिर्फ आपतन हो और परावर्तन न हो तब इसकी सतह के तापमान निरंतर बढ़ता जाएगा जो जीवन के लिए प्रतिकूल बन जाएगा। वहीं शाम को सूर्यास्त के बाद धरती पर आने वाली उष्मीय तरंग अनुपस्थिति रहती हैं जबकि बहिर्गामी विकिरण की तरंगें निरन्तर धरती से परावर्तित होती रहती है, जिससे इसके तापमान में कमी आने लगती है।

इस समय यदि आसमान मेघों से ढका रहे, वायुमण्डल में प्रदूषण अधिक रहे या नमी की मात्रा अधिक रहे तब ये बहिर्गामी विकिरण की तरंगें वायुमण्डल में ही रह जाएंगी और वातावरण को अधिक ठंडी नहीं होने देंगी। परंतु आसमान के स्वच्छ होने की दशा में बहिर्गामी तरंगें तेजी से बाहरी आकाश में विस्थापित होने लगती हैं और रात में वायुमण्डलीय तापमान का ह्रास होने लगता है। तापमान के ह्रास की यह एकतरफा प्रक्रिया अगली सुबह को सूर्योदय तक चलती है। ठंड के दिनों में जब अधिकतम तापमान पहले से ही कम रहता है अर्थात वायुमण्डल शुष्क रहता है तब वायुमण्डल के तापमान के ह्रास की यह प्रक्रिया वायुमण्डल को और भी अधिक शीतल कर देती है, लिहाजा न्यूनतम तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज होती है।

जरही में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री, दोपहर 12 बजे तक सूरज नहीं निकला

जरही नगर पंचायत क्षेत्र में कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बीच न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह से ही लोग ठंड से ठिठुरते नजर आए। घना कोहरा इतना अधिक रहा कि पूरा नगर सफेद चादर में लिपटा दिखाई दिया। दोपहर करीब 12 बजे तक सूरज का दर्शन नहीं हुआ। भीषण ठंड और कोहरे के चलते आम जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चे, काम पर निकलने वाले मजदूर और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर दृश्यता कम होने से वाहन चालक भी सतर्क होकर धीमी गति से वाहन चलाते रहे। कई स्थानों पर बाजार देर से खुले। अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलने से लोग बचते रहे। ठंड से राहत पाने के लिए नगर के चौक-चौराहों, बस स्टैंड, बाजार और गली-मोहल्लों में लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। खासकर बुजुर्ग, बच्चे और गरीब वर्ग के लोग अलाव के आसपास बैठकर ठंड से बचाव करते दिखाई दिए। स्थानीय लोगों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होती है तो ठंड से बचाव के लिए प्रशासन को अलाव सहित अन्य व्यवस्था करनी पड़ेगी।

पुलिस और समाजसेवियों ने किया कम्बल वितरण

शीतकालीन मौसम को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद व्यक्तियों के बीच शहर में पुलिस और समाज सेवियों ने कम्बल वितरित किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो के निर्देशन में सरगुजा पुलिस एवं जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के सदस्यों द्वारा नित नए सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में लोगों को ठंड से बचाने की अनुकरणीय पहल सरगुजा पुलिस के द्वारा ही शुरू की गई है। इस कार्य में उप निरीक्षक अभय तिवारी, वरिष्ठ समाजसेविका वन्दना दत्ता, मंगल पाण्डेय, अनिल कुमार मिश्रा, सुनिधि शुक्ला एवं संतोष कुमार विश्वकर्मा सक्रिय रहे।

डॉयल 112 ने ठंड से कांप रही बुजुर्ग महिला को ओढ़ाया कंबल, सखी सेंटर पहुंचाया

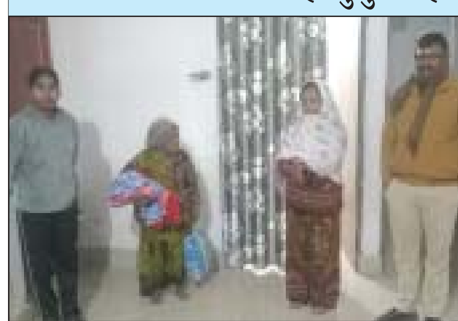

डॉयल 112 के आरक्षक अनिल रजवाड़े एवं चालक वीरेंद्र ने रात्रि गश्त दौरान सत्तीपारा अंबिकापुर में एक बुजुर्ग महिला को सड़क के किनारे बैठे देखा, जो ठंड से कांप रही थी। इसे तत्काल कंबल देकर ठण्ड से सुरक्षित किया और गाड़ी में बैठाया। महिला से उसके घर के बारे में पूछने पर वह घर का पता नहीं बता पाई, जिस कारण डॉयल 112 के कर्मचारियों ने बुजुर्ग महिला को दर्रीपारा स्थित वन स्टॉप सखी सेंटर तक सुरक्षित पहुंचाया और अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया।

राशन के लिए ग्रामीण लगा रहे उचित मूल्य दुकान का चक्कर

छ.ग.फ्रंटलाइन उदयपुर। लखनपुर क्षेत्र के सीमावर्ती क्षेत्र लवजी ग्राम पंचायत में चावल के लिए ग्रामीणों को उचित मूल्य दुकान का चक्कर काटना पड़ रहा है। यहां सरपंच के घर में उचित मूल्य का दुकान का संचालन प्रिया स्वयं सहायता समूह के द्वारा किया जा रहा है। चावल नहीं मिलने से ग्रामीण काफी परेशान हैं। ग्राम पंचायत में निवासरत पहाड़ी कोरवा जनजाति के लोग भी चावल के लिए भटक रहे हैं और भिक्षाटन करने जैसी इनकी स्थिति बन रही है। सोसायटी संचालक के मनमानी से ऐसे हालात बन रहे हैं। हितग्राहियों का कहना है कि करीब दो महीना होने को है, चावल नहीं मिला है।

शक्कर 20 रुपये में आधा किलो, नमक भी गायब

हितग्राहियों ने बताया कि पूर्व में कई बार सोसायटी संचालक के द्वारा उन्हें एक किलो शक्कर की जगह आधा किलो शक्कर दिया जाता है और 20 रुपये की वसूली की जाती है। ग्राम पंचायत के राशन कार्ड धारकों को नमक भी नहीं मिल पा रहा है। पूर्व में इसकी शिकायत कलेक्टर से की गई थी, लेकिन आज तक ना तो जांच हुई ना ही किसी प्रकार की कार्रवाई। ग्रामीणों का कहना है उचित मूल्य दुकान, संचालक की मर्जी से चल रहा है।

नाबालिक को बेरहमी से पीटने के बाद मणिपुर थाना पुलिस के सुपुर्द किया

स्वजन व मुण्डा समाज के लोग झूठे मामले में फंसाने का आरोप लगाते पहुंचे एसपी के पास

पुलिस अधीक्षक ने नगर पुलिस अधीक्षक को जांच, कार्रवाई के लिए निर्देशित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर निवासी एक नाबालिक से डेढ़ दर्जन लोगों ने बेरहमी से मारपीट की, बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया। घटना की शिकायत पुलिस अधीक्षक से करने शनिवार को लड़के के स्वजन और मुण्डा समाज के लोग पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने तत्काल आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई करने का निर्देश नगर पुलिस अधीक्षक को दिया है। मुण्डापारा, मणिपुर निवासी महेन्द्र मुण्डा पिता हीरा मुण्डा ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायत पत्र में बताया है कि 15 दिसम्बर को उनका 16 वर्षीय पुत्र रात में खाना खाकर घर से बाहर टहल रहा था, तभी गुरुप्रीत सिंह सिद्धू पिता स्व. दर्शन सिंह, आयुष दुबे पिता हरिराम दुबे, अमन मिश्रा पिता कमलेश उर्फ गोपी मिश्रा सभी निवासी दर्रीपारा, रितिक सोनवानी सहित अन्य 10-15 लोग रात लगभग 11.30 बजे उसको घेर लिए और जातिगत टिप्पणी व गाली देते हुए उत्तम साहू के साथ रहने की बात कहते हुए जान से मार देने की धमकी देकर लाठी-डंडा और हाथ मुक्का से कीचड़ में पटककर मारपीट की। आरोप है कि समीर मुण्डा को गंभीर चोटें आने के बाद केस में फंसने के डर से उसका नाम बीते दिनों मणिपुर में हुई मारपीट की घटना से जोड़ दिया गया और उसे अपराधी बना दिए। वर्तमान में नाबालिक घायल अवस्था में बालक सम्प्रेक्षण गृह में निरूद्ध है। नाबालिक के पिता ने बताया है कि उनके पुत्र के साथ जब सभी मिलकर मारपीट कर रहे थे और गाली दे रहे थे, तो वह रोते हुए बचाने के लिए पुकार लगा रहा था, जो सी.सी.टी.व्ही. में कैद हुआ है। चीख-पुकार सुनकर मौके पर एक महिला पहुंची, इसके बाद भी सभी आरोपी उसके साथ मारपीट करते रहे। बालक को छुड़ाने की कोशिश महिला की, परंतु आरोपी उसे नहीं छोड़े और सीधे मणिपुर थाना ले गए। 16 वर्षीय किशोर के साथ हुई घटना से स्वजन व्यथित हैं। इनका कहना है कि मणिपुर थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 329/2025 के झूठे मामले में लड़के को मुजरिम बनाकर बाल सम्प्रेषण गृह में निरूद्ध कर दिया गया है, जिससे उसके बाल मस्तिष्क पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। स्वजन ने संपूर्ण घटनाक्रम की सूक्ष्मता से जांच कराने और आरोपियों के विरुद्ध प्रथम सूचना दर्ज करने का आग्रह किया है। पुलिस अधीक्षक ने इन्हें निष्पक्ष जांच, कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया है।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में विश्व ध्यान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने विश्व ध्यान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय अग्रवाल के अलावा अनिल साहू, अमित साहू, स्वरूप कांत थॉमस, ममोल कोचेटा, सुषमा जायसवाल रहे। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक मिथलेश कुमार गुर्जर ने कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि विश्व ध्यान दिवस मन की शांति, आत्मसंयम और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। ध्यान एक प्राचीन साधना है, जिसकी जड़ें भारतीय संस्कृति और योग परंपरा में गहराई से जुड़ी हुई हैं। विश्व ध्यान दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को ध्यान के लाभों के प्रति जागरूक करना, मानसिक तनाव को कम करना और शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना है। अतिथि संजय कुमार ने अपने उद्बोधन में कि हमारे शरीर और मन दोनों का बहुत अधिक महत्व है, दोनों के बिना हम अपने जीवन में संतुलन नहीं रख सकते हैं। शरीर को चलाने के लिए हमें ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसके कई स्रोत हैं। शरीर तथा मन को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान बहुत जरुरी है। विद्यार्थियों के लिए ध्यान अत्यंत उपयोगी है, क्योंकि यह पढ़ाई में एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक सोच को विकसित करता है। उन्होंने कहा हमें अपने जीवन में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, मेडिटेशन को शामिल करना चाहिए। जब हम ध्यान करते हैं, तो मन नकारात्मक विचारों से मुक्त होकर शांति की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने बीएड के प्रशिक्षणार्थियों को मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। अंत में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ध्यान, तनाव और चिंता को कम करता है, स्मरण शक्ति एवं एकाग्रता बढ़ाता है, निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करता है तथा आत्मविश्वास में वृद्धि करता है। नियमित मेडिटेशन करने से रक्तचाप नियंत्रित रहता है, नींद अच्छी आती है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। इस दौरान महाविद्यालय की रासेयो कार्यक्रम अधिकारी रानी रजक, सहायक कार्यक्रम अधिकारी रासेयो सीमा बंजारे, सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, उर्मिला यादव, सविता यादव, पूजा रानी, ज्योत्स्ना राजभर, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह, अजीत सिंह परिहार, नितेश कुमार यादव एवं बीएड के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

लाइनमैन और ग्रामीणों के बीच मारपीट के मामले में दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस चौकी रघुनाथपुर अंतर्गत बिजली विभाग के लाइनमैन के साथ गालीगलौज और मारपीट के मामले में लुण्ड्रा थाने में दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम मानपुर निवासी गौतम कुमार पैकरा पिता सुखसाय पैकरा 41 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित लमगांव में सहायक लाइनमैन के पद पर पदस्थ है। 18 दिसम्बर को दोपहर करीब 3.15 बजे वह अपने फ्यूजकॉल सहकर्मी सोमदेव, आकाश के साथ कमलेश्वर पिता मनीराम निवासी असकला जामपारा का लाइन सर्वे और सुधार करने ग्राम असकला जामपारा गया था। करीब 3.30 बजे रवि यादव पिता रामनाथ यादव उसे बुलाया और बस्ती का लाइंट बंद करके रखने की बात कहते हुए गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर झापड़ मारा और शासकीय कार्य में अवरोध करने का प्रयास करने लगा। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 132, 221, 296, 351(2) का मामला दर्ज कर लिया है। दूसरे पक्ष से आशा राम पैकरा पिता जोखू पैकरा 45 वर्ष, निवासी ग्राम असकला ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि ग्राम असकला में 18 दिसम्बर को उसके घर के पास लगभग 3.30 बजे लाइनमैन गौतम पैकरा आया और खंभे में कुछ करने लगा। जब वह बोला कि आप लोग गांव में हर किसी का लाइट काट दे रहे हो, आमापारा एवं कदमपारा में भी लाइट काटा गया है, और यहां भी आ गए, इसी बात पर भड़क कर गौतम पैकरा गाली देते हुए अभद्रता से पेश आने लगा। गांव के रवि शंकर यादव ने इस पर आपत्ति की तो लाइनमैन भड़क गया और जान से मारने कि धमकी देकर रवि शंकर यादव पर हाथ चला दिया। इस दौरान वह बीच-बचाव किया, इसके बाद जाते-जाते देख लेने की धमकी देकर पूरे गांव में अंधेरा कर देने की बात कही। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 351(2), 115(2) का मामला दर्ज किया है।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में मतदाताओं से प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण हेतु प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन शनिवार को जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 निर्वाचक नामावली के प्रारूप प्रकाशन तक की अवधि में की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन, घोषणा पत्र, नोटिस जारी करने हेतु संभावित परिस्थितियों, परीक्षण एवं जांच, अपील संबंधी प्रावधान, राजनीतिक दलों के साथ सहभागिता और मतदाता सूची साझा करने, एकीकृत निर्वाचक नामावली तैयार करने, मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन किए जाने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक सहित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पतंजलि योग समिति छत्तीसगढ़ के सह राज्य प्रभारी कमलेश योगी ने 20 दिसम्बर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके रायपुर स्थित निवास में मुलाकात करके छत्तीसगढ़ में पतंजलि योग समिति के द्वारा किए जा रहे कार्य से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ से लगभग 500 योग शिक्षक पतंजलि योगपीठ हरिद्वार में मुख्य योग शिक्षक से प्रशिक्षण प्राप्त करने गए थे। छत्तीसगढ़ में योग के क्षेत्र में योग आयोग के साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे प्रत्येक गांव, शहर तक के लोगों को इसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने योग के क्षेत्र में पतंजलि योग समिति के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता भी उपस्थित रहे।

पहाड़ी कोरवा ग्राम कुदर एवं पटोरा पहुंचे कलेक्टर, ग्रामीण आवास पखवाड़ा में हुए शामिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नव पदस्थ कलेक्टर अजीत वसंत शनिवार को लुण्ड्रा विकासखंड के पहाड़ी कोरवा ग्राम कुदर एवं पटोरा पहुंचे। यहां वे पीएम आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आयोजित ग्रामीण आवास पखवाड़ा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्राम कुदर में स्वीकृत एवं पूर्ण आवासों की जानकारी ली तथा अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम जनमन आवास योजनांतर्गत शौचालय निर्माण हेतु आवश्यक योजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही वृद्धा पेंशन, स्वास्थ्य सुविधा, आंगनबाड़ी केंद्र, पेयजल एवं सड़क व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक सुधार हेतु दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पटोरा का भी निरीक्षण किया और स्टाफ की उपस्थिति पंजी, दवाइयों की उपलब्धता, संस्थागत प्रसव की स्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था एवं स्टोर रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देते हुए सुरक्षित प्रसव के साथ माहवार प्रसव की जानकारी संधारित करने, रिक्त पदों की जानकारी शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां आने वाले मरीजों को समय पर समुचित उपचार मिले। कलेक्टर ने ग्राम पटोरा में निर्माणाधीन महतारी सदन का निरीक्षण कर महिला स्व-सहायता समूहों एवं सीएलएफ को सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन पूर्ण होने के पश्चात सदन को कार्यशील करने तथा इसके नियमित संचालन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य करने कहा। इसके अतिरिक्त निर्माणाधीन सीएससी सेंटर का निरीक्षण कर आवश्यक सेवाओं के संचालन की स्थिति को देखा। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्र को मार्च माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, एपीओ डॉ. प्रशांत शर्मा, जनपद सीईओ प्रीति भगत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तुलसी नाला में गिरी अनियंत्रित कार, तीन सवार घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शनिवार को अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर स्थित तुलसी नाला में एक अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों को गंभीर चोट आई है। लटोरी पुलिस ने बताया कि शनिवार को बनारस हाइवे मार्ग पर स्थित तुलसी नाला में अर्टिगा कार क्रमांक सीजी 30 एच 5275 अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे कार सवार श्रवण पिता लक्ष्मण, दीनानाथ पिता महाजन गोंड एवं रामबरन पिता ललई राम तीनों निवासी ग्राम बगड़ा थाना त्रिकुंडा, जिला बलरामपुर को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने बताया कि कार सवार त्रिकुंडा से अंबिकापुर की ओर जा रहे थे। दोपहर करीब एक बजे वाहन चालक ने अचानक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे वाहन तुलसी नाला में जा पलटी। दुर्घटना में कार में सवार तीनों लोग वाहन के अंदर बुरी तरह फंस गए थे। सूचना मिलते ही लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता, प्रधान आरक्षक दिलेश्वर, आरक्षक विकास कुमार मिश्रा, शोभनाथ मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे सभी घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी लटोरी भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग अवरुद्ध हो गया था, जिसे पुलिस द्वारा सुचारू रूप से चालू कराया गया। कार चालक श्रवण को सिर और चेहरे में गंभीर चोटें आई हैं और अन्य दो घायलों को भी चेहरे एवं शरीर में चोटें आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमदेई में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। धान पलटी करने कंदरई खरीदी केंद्र जा रहे युवकों की बाइक को पिकअप चालक ने टक्कर मार दिया। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत जमदेई निवासी प्रार्थी मोनू सिदार पिता लगन राम शनिवार की सुबह प्लेटिना मोटरसाइकिल में विजय सिदार व सलित सिदार के साथ कंदरई खरीदी केंद्र में धान पलटी करने जा रहा था तभी ग्राम पंचायत जमदेई माझापारा मोड़ के पास पिकअप चालक ने टक्कर मार दिया।

दुर्घटना में बाइक सवार विजय सिदार व सलित सिदार को चोट आई है। सूचना पर पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बिश्रामपुर में रेल सुविधा को लेकर रेलवे संघर्ष समिति की बैठक आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्रवासियों के लिए बहुप्रतीक्षित अंबिकापुर-निजामुद्दीन एक्सप्रेस ट्रेन के बिश्रामपुर स्टेशन में ठहराव की मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती नजर आ रही है। इसी क्रम में रविवार 21 दिसंबर को शाम 6 बजे अग्रसेन भवन बिश्रामपुर में एक महत्वपूर्ण सर्वदलीय रेलवे संघर्ष समिति की बैठक आयोजित की जा रही है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता अपेक्षित है। गौरतलब है कि इससे पूर्व रेल संघर्ष समिति बिश्रामपुर द्वारा इस मांग को लेकर कलेक्टर सुरजपुर तथा डीआरएम बिलासपुर के नाम ज्ञापन सौंपा जा चुका है। ज्ञापन में बिश्रामपुर जैसे औद्योगिक एवं जनसंख्या की दृष्टि से इस प्रमुख ट्रेन के ठहराव से होने वाले लाभों को विस्तार से रखा गया है। समिति का कहना है कि इस ट्रेन के ठहराव से दिल्ली, उत्तर भारत और मध्य भारत की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी, साथ ही व्यापार, शिक्षा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

सर्वदलीय रेलवे संघर्ष समिति की बैठक में अब तक की कार्रवाई की समीक्षा के साथ-साथ आगे की रणनीति तय करने, जनआंदोलन को संगठित करने तथा रेल प्रशासन तक एकजुट आवाज पहुंचाने पर चर्चा होगी। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह मुद्दा किसी एक दल या संगठन का नहीं, बल्कि पूरे बिश्रामपुर और आसपास के क्षेत्र के विकास से जुड़ा जनहित का विषय है। लोगों को उम्मीद है कि सर्वदलीय एकता और संगठित प्रयास से अंबिकापुर-निजामुद्दीन ट्रेन का ठहराव बिश्रामपुर स्टेशन में शीघ्र स्वीकृत होगा और क्षेत्रवासियों को लंबे समय से प्रतीक्षित रेल सुविधा मिल सकेगी।

वीएम कालेज के विद्यार्थियों ने धूमधाम से मनाई गुरु घासीदास जयंती

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सतनामी समाज के जनक गुरु घासीदास की जयंती के अवसर पर वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग बिश्रामपुर के विद्यार्थियों के द्वारा उनका स्मरण किया गया। इस अवसर पर वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य एवम शिक्षक उपस्थित थे। उपस्थित समुदाय द्वारा गुरुघासीदास के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर छात्रा अपराजिता ने कहा कि गुरु घासीदास ने अपने जीवन का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ के जंगलों में बिताया। बचपन से ही जाति व्यवस्था की बुराइ?यों को देखने के बाद उन्होने समानता पर आधारित जीवन जीने का एक नया तरीका स्थापित करने का मन बना लिया था। छात्रा पूजा ने कहा कि उन्होंने उस समय समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत भेदभाव को खत्म करने के लिये बहुत संघर्ष किया। गुरु घासीदास की सात शिक्षाएं हैं। छात्रा अंकिता ने कहा कि गुरु घासीदास ने छत्तीसगढ़ में सतनामी समुदाय की स्थापना सतनाम के सिद्धांत पर की थी, जिसका अर्थ सत्य एवं समानता है। कार्यक्रम में वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग के स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा राज्य सरकार से मांग की गई है कि गुरु घासीदास जी के नाम से सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने वालों के लिए एक राज्यस्तरीय पुरुस्कार प्रदान करने की योजना प्रारंभ की जाए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक संतोष सिंह, अमित देव, रिचा गुप्ता, नॉन टीचिंग स्टाफ में आरती सिंह, हेमंत जायसवाल, दीपक सिंह व अन्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह 2025 के तहत क्रेडा विभाग के द्वारा विकासखण्ड शंकरगढ़ के प्राथमिक शाला देवसरा कला में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और समाज में ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में बच्चों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बच्चों ने चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और एलईडी बल्बों से विद्यालय परिसर को सजाकर कम ऊर्जा खपत का संदेश दिया। इस दौरान क्रेडा विभाग के अधिकारियों ने ऊर्जा बचत के व्यावहारिक उपाय को सरल भाषा में समझाया। ऊर्जा संरक्षण के सरल उपाय जैसे बिना उपयोग के लाइट और पंखा बंद रखना, प्राकृतिक प्रकाश का उपयोग और एलईडी बल्ब का प्रयोग बताया गया। साथ ही बच्चों को प्रोत्साहन के रूप में पुस्तकें और लेखन सामग्री दी गईं। कार्यक्रम में क्रेडा विभाग के अधिकारी श्री रोशन कुमार चौहान, श्री रंजीत कुमार सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ठंड से बचने स्कूली बच्चों को बांटे गए गर्म कपड़े

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा व शासकीय प्राथमिक विद्यालय दर्रीपारा जयनगर के 26 बच्चों को आज बढ़ते ठंड के प्रकोप से राहत दिलाए जाने गर्म कपड़े वितरण किए गए। गौरतलब है कि इन दिनों अचानक मौसम में ठंड का प्रकोप बढ़ने पर शनिवार को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा जयनगर की प्राचार्या श्रीमती सफीयाना खलखो के हाथों स्कूली बच्चों को गर्म कपड़े वितरण किए गए। जिससे स्कूली बच्चों के चेहरे पर प्रसन्नता देखी गई। इस अवसर पर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जयनगर के प्रधान पाठक उदयराज सिंह आयाम, शासकीय प्राथमिक शाला दर्रीपारा की प्रधान पाठिका सुमित्रा गुप्ता, व्याख्याता ज्योति शर्मा, संकुल शैक्षिक समन्वयक सीएसी नेल्सन बेक, शिक्षक आशीष पाण्डेय, सहायक शिक्षक नरेश कुमार साहू व अन्य उपस्थित थे। ज्ञात हो कि गर्म कपड़े के वितरण से विद्यार्थियों को ठंड से राहत मिलेगी एवं अध्ययन के प्रति उनकी उपस्थिति एवं रुचि में वृद्धि होगी।

बिश्रामपुर व सोहागपुर के बीच फाइनल मुकाबला आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जोहिला क्षेत्र में आयोजित एसईसीएल अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बिश्रामपुर की टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। सेमीफाइनल का मुकाबला जीतकर बिश्रामपुर की टीम टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसका मुकाबला सोहागपुर की टीम से रविवार को होगा। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में रायगढ़ क्षेत्र की टीम को पराजित कर बिश्रामपुर की टीम ने फाइनल में जगह बनाई है। पहले सेमीफाइनल में रायगढ़ क्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट खोकर 20 ओवर में 136 रन बनाएं, जिसके जवाबी पारी में बिश्रामपुर क्षेत्र की टीम ने 19 ओवर में 6 विकेट खोकर 140 रन बनाकर चार विकेट से जीत हासिल किया। सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए बिश्रामपुर टीम के राजेंद्र प्रधान को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिन्होंने टीम के लिए 4 विकेट लिया। वहीं अमृत लाल जिन्होंने टीम के लिए 19 रन बनाए और 3 विकेट लिया।बिश्रामपुर क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने बिश्रामपुर टीम कप्तान को टीम के फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों को फाइनल मुकाबले से पहले प्रोत्साहित कर अपनी शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज रविवार को खेला जाएगा। उक्त जानकारी वरिष्ठ क्रिकेट खिलाडी एसके स्वाई बुन्नु ने दी। बिश्रामपुर क्षेत्र के फाइनल में पहुंचने से क्षेत्र से बड़ी संख्या में खेल प्रेमी फाइनल मुकाबला देखने जोहिला पहुंच रहे हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर में सप्तशक्ति संगम मातृ सम्मेलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में आज सप्तशक्ति संगम मातृ सम्मेलन का भावनात्मक आयोजन किया गया। यह सम्मेलन मातृशक्ति के सम्मान, बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा परिवार-विद्यालय-समाज के त्रिस्तरीय समन्वय को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हेतु किया गया। विद्यालय परिसर आज संस्कार, सृजन और सकारात्मक विचारों के संगम का सजीव उदाहरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत वंदना, प्रेरणादायी गीत एवं संस्कारमय प्रस्तुतियों ने मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की इन प्रस्तुतियों में मातृशक्ति के त्याग, ममता और बलिदान का सजीव चित्रण देखने को मिला, जिसे उपस्थित माताओं ने करतल ध्वनि से सराहा। इस अवसर पर बिश्रामपुर नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि मां केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज के बदलते समय में बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि संस्कार, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी से भी जोड़ना आवश्यक है और यह कार्य सबसे पहले मां के सान्निध्य में ही संभव होता है। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर द्वारा माताओं को साथ लेकर शिक्षा की इस अनूठी पहल की प्रशंसा की। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्यामा पांडेय, गीता घोषाल, डॉ. रेखा लाल, प्रीति अग्रवाल, संध्या त्रिपाठी, वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद नीलम मिश्रा एवं वार्ड क्रमांक 1 की पार्षद लक्ष्मी यादव मौजूद रहीं। अतिथियों ने अपने संबोधन में माताओं को बच्चों की पहली गुरु बताते हुए कहा कि घर का वातावरण यदि संस्कारयुक्त हो, तो विद्यालय की शिक्षा और भी प्रभावी बन जाती है। उन्होंने माताओं से अपील किया कि वे बच्चों की दिनचर्या, संगति और नैतिक मूल्यों पर विशेष ध्यान दें। कार्यक्रम के दौरान माताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और बच्चों के भविष्य को लेकर अपने विचार रखे। कई माताओं ने कहा कि ऐसे सम्मेलन उन्हें न केवल मार्गदर्शन देते हैं, बल्कि आपसी संवाद और सीखने का भी अवसर प्रदान करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सम्मेलन की आवश्यकता और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय तभी सफल होता है, जब अभिभावक और शिक्षक एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य करें। उन्होंने माताओं के सहयोग को शिक्षा की सबसे मजबूत कड़ी बताया।

सम्मेलन में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी अतिथियों का सम्मान किया गया और मातृशक्ति को नमन करते हुए सम्मेलन का समापन किया गया।

कन्दरई-नेवारडांड सड़क मरम्मत हेतु 85 लाख का बना स्टीमेट

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत कन्दरई से नेवारडांड मोहल्ला तक जाने वाली सड़क वर्षों से ग्रामीणों की संघर्ष और प्रशासनिक उदासीनता बयां कर रही थी। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2013-14 में बनी यह सड़क आज खुद अपनी बदहाली पर मरम्मत की गुहार लगा रही थी। करीब एक दशक तक इस सड़क पर न मरम्मत हुई, न संधारण और न ही किसी ने सुध लेने की जहमत उठाई। स्थिति यह हो गई है कि पांच वर्ष पूर्व किया गया डामरीकरण पूरी तरह उखड़ चुका है। जगह-जगह गड्ढे, उभरी गिट्टियां और संकरी सड़क लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी थी। सड़क की बदहाली से त्रस्त ग्राम पंचायत कन्दरई निवासी राजेन्द्र पिता लालहेर राम ने 9 दिसंबर को कलेक्टर जनदर्शन में अपनी शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत में बताया गया कि इस सड़क से स्कूल जाने वाले बच्चे, किसान अपनी उपज लेकर बाजार, मरीज अस्पताल और मजदूर रोजी-रोटी के लिए निकलते हैं, लेकिन खराब सड़क ने सबकी मुश्किलें कई गुना बढ़ गई है। जनदर्शन में शिकायत दर्ज होते ही मामला जिला प्रशासन तक पहुंचा। इसके बाद कार्यालय कार्यपालन अभियंता सह सदस्य सचिव छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई सूरजपुर द्वारा कलेक्टर को विस्तृत पत्र भेजा गया। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सड़क की स्थिति अत्यंत खराब है और इसका पुनः डामरीकरण एवं चौड़ीकरण अत्यावश्यक है। इसके लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नवीनीकरण एवं संधारण का प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत किया गया है। इस प्रस्ताव की अनुमानित लागत करीब 85 लाख रुपए बताई गई है। प्रस्ताव में सड़क को मजबूत बनाने, चौड़ाई बढ़ाने और टिकाऊ डामरीकरण करने की योजना शामिल है, ताकि भविष्य में ग्रामीणों को दोबारा इस परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रशासनिक पत्राचार में यह भी उल्लेख किया गया है कि स्वीकृति मिलते ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जिससे कन्दरई और नेवारडांड मोहल्ले के लोगों में नई उम्मीद जगी है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क केवल डामर और गिट्टी का ढांचा नहीं, बल्कि उनके सुरक्षित भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी है।

नरेगा अंतर्गत युवाओं को दिया जा रहा राजमिस्त्री का प्रशिक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अन्तर्गत पंजीकृत श्रमिकों को कौशल विकास से जोड़कर उन्हे स्थायी आजिविका उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर एवं वाड्रफनगर में राजमिस्त्री के प्रशिक्षण लेने के इच्छुक 35 ग्रामीण युवाओं को 30 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रदान करने की शुरूवात की गई है। यह प्रशिक्षण सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान बलरामपुर के द्वारा संचालित किया जा रहा है।

महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत् विगत वर्षों में 60 मानव दिवस कार्य पूर्ण करने वाले 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ग्रामीण श्रमिकों का चयन कर प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण अवधि पूर्ण होने पर श्रमिकों प्रधानमंत्री आवास एवं अन्य निर्माण कार्य में राजमिस्त्री के रूप में कार्य कर सकेगें।

बिजली को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन हड़ताल को कांग्रेस सहित सर्वदलीय व सामाजिक संगठनों ने दिया समर्थन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के वनांचल अंचल चांदनी बिहारपुर में वर्षों से लंबित बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। 15 दिसंबर से तहसील ग्राउंड, बिहारपुर में जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल अब केवल विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। कड़ाके की ठंड के बावजूद ग्रामीणों का हौसला बुलंद है और आंदोलन लगातार मजबूत होता जा रहा है। क्षेत्र के 17 ग्राम पंचायतों एवं 23 आश्रित ग्रामों के हजारों ग्रामीण आज भी अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। बिजली जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा सभी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को आवेदन, ज्ञापन और शिकायतें दी गईं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला, समाधान नहीं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दल, जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन इस समस्या से पूरी तरह अवगत हैं। इसके बावजूद वर्षों से विद्युत विस्तार कार्य को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की गई। यही कारण है कि मजबूर होकर ग्रामीणों को सड़क पर उतरना पड़ा। आंदोलन को अब राजनीतिक दलों, सामाजिक

संगठनों का खुला समर्थन मिलने लगा है। गोंगपा तथा पंचायत संघ जिला अध्यक्ष सूरजपुर ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों की मांगों को जायज बताया और संघर्ष के साथ खड़े रहने की घोषणा की। शनिवार को आंदोलन को और मजबूती तब मिली जब कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शशि सिंह हड़ताल स्थल पर पहुंचे। उन्होंने आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीणों की बिजली की मांग पूरी तरह न्यायोचित, वैध और जनहित से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी अगर आदिवासी और वनांचल क्षेत्र के लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं, तो यह शासनझ्प्रशासन की गंभीर विफलता को दशार्ता है। हड़ताल में सबसे बड़ी भूमिका युवा शक्ति की देखने को मिल रही है। युवा वर्ग ने साफ कहा है कि जब तक क्षेत्र में विद्युत विस्तार का लिखित आश्वासन और कार्य प्रारंभ नहीं होता, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। महिलाओं, बुजुर्गों और छात्रों की भागीदारी ने आंदोलन को और व्यापक बना दिया है। अ.भा.प.सु समिति, छत्तीसगढ़ ने समर्थन पत्र जारी कर कहा कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों के अनुरूप है। संगठन ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि वह जल्द से जल्द संज्ञान लेकर विद्युत विस्तार कार्य शुरू करे, ताकि वनांचल क्षेत्र के नागरिकों को अंधेरे से मुक्ति मिल सके ।लगातार बढ़ते समर्थन से ग्रामीणों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है, वहीं अब निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और व्यापक रूप देने की चेतावनी भी दी गई है।

तालाब में डूबने से हाथी शावक की मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। जिले में एक बार फिर हाथी शावक का शव बरामद हुआ है। रायगढ़ वन मंडल के बड़झरिया गांव में तालाब के पास हाथी के शावक का शव मिला है। शावक की उम्र तकरीबन छह महीने की है। आशंका जताई जा रही है कि, नहाने के दौरान पानी में डूबने से शावक की मौत हुई है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद वन अमला मौके पर पहुंचा हुआ और मामले की जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि, बढ़झरिया इलाके में 32 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। शुक्रवार की देर शाम भी हाथी तालाब के इर्द-गिर्द देखे गए थे।

पीएम के बाद मौत का कारण होगा स्पष्ट

शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने तालाब के किनारे हाथी के शावक का शव देखा इसके बाद वन अमले को इसकी सूचना दी। घटना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची हुई है। शव के पंचनामा के बाद पीएम की कार्रवाई की जा रही है। हाथियों की बड़ी संख्या को देखते हुए वन अमले ने आसपास के इलाकों में अलर्ट जारी किया है। मामले में अधिकारियों का कहना है कि, पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा।

68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में आसिफ अली ने रचा इतिहास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। 50 मीटर पीप साइट राइफल मेन वर्ग में शानदार प्रदर्शन, 600 में 596 अंक प्राप्त कर बने रीनाउंड शूटर नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप कॉम्पिटिशन 2025 का आयोजन एम.पी. शूटिंग रेंज, भोपाल (मध्यप्रदेश) में किया गया। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता के अंतर्गत 50 मीटर पीप साइट राइफल मेन वर्ग में प्रतिभागियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रतियोगिता में आसिफ अली ने उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 600 में से 596

अंक अर्जित किए और अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर रीनाउंड शूटरह्व का खिताब अपने नाम किया। आसिफ अली की इस उपलब्धि ने न केवल प्रतियोगिता में उपस्थित दर्शकों और विशेषज्ञों को प्रभावित किया, बल्कि देशभर के शूटिंग खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य किया है। उनके इस प्रदर्शन से यह स्पष्ट होता है कि वे भारतीय शूटिंग के उभरते हुए सितारों में से एक हैं। इस अवसर पर आयोजकों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने आसिफ अली को उनकी शानदार सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन, जिला सूरजपुर ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नाम महत्वपूर्ण मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन भटगांव विधायक माननीय श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मंत्री महिला एवं बालविकास विभाग की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि खुलेश्वर राजवाड़े को जिला अध्यक्ष विजय साहू के नेतृत्व में सौंपा गया। फेडरेशन ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के संकल्प

पत्र मोदी की गारंटीह्व के तहत सहायक शिक्षकों एवं शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने और क्रमोन्नत वेतनमान लागू करने का आश्वासन दिया गया था। पार्टी द्वारा यह वादा किया गया था कि सरकार बनने के 100 दिनों के भीतर दोनों मांगों का समाधान कर दिया जाएगा, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक इन सुधारों का क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। जिलाध्यक्ष विजय साहू ने कहा कि प्रदेश के हजारों शिक्षक आज भी मोदी की गारंटी के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। आगामी विधानसभा सत्र में हमें पूर्ण विश्वास है कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लेगी। शिक्षकों से किया गया वादा शीघ्र पूरा होना चाहिए। फेडरेशन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि शिक्षकों की जायज मांगों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए वेतन विसंगति निवारण एवं क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ जल्द से जल्द प्रदान करने की कृपा करें। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष विजय साहू के साथ ब्लॉक अध्यक्ष भैयाथान, प्रकाश चंद्र सिंह, विवेक पैकरा, ओमप्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, शशि भूषण दुबे, सच्चिदानंद दुबे, महेंद्र राजवाड़े ,बृजेश तिवारी, देवेंद्र तिवारी, बाबूलाल राजवाड़े, राजमोहन राजवाड़े, महेश प्रजापति, प्रदीप बाखला सहित कई शिक्षक उपस्थित थे। फेडरेशन ने आगे भी अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

आबकारी टीम की कार्रवाई पर भड़के ग्रामीणों, अधिकारी को बनाया बंधक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। आबकारी विभाग की टीम जब जिले के उरगा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करने गई तो ग्रामीणों ने टीम पर हमला कर दिया। इस घटना में ग्रामीणों ने टीम प्रभारी नारायण सिंह कंवर को बंधक बना लिया जबकि मुखबीर और वाहन चालक की जमकर पिटाई की गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग की टीम अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने गांव पहुंची थी। इसी दौरान ग्रामीण उग्र हो गए और टीम को घेर लिया। आरोप है कि ग्रामीणों ने टीम प्रभारी नारायण सिंह कंवर को रोककर बंधक बना लिया, जबकि मुखबीर पताड़ी निवासी प्रमोद देवांगन के साथ मारपीट की गई। स्कॉर्पियो वाहन के चालक के साथ भी मारपीट की गई और आबकारी विभाग के वाहन में तोड़फोड़ की गई।

ग्रामीणों में मुखबिरी को लेकर आक्रोश

ग्रामीणों का आरोप है कि मुखबीर प्रमोद देवांगन लगातार मुखबिरी कर कार्रवाई करवाता है और अवैध वसूली में भी शामिल है। इसी बात को लेकर ग्रामीणों में पहले से आक्रोश था, जो

कार्रवाई के दौरान हिंसक रूप ले बैठा। घटना के दौरान आबकारी विभाग के अन्य कर्मचारी किसी तरह मौके से जान बचाकर निकलने में सफल रहे और तत्काल उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस, जांच जारी

घटना की जानकारी मिलते ही उरगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

आबकारी अधिकारी ने कहा फोन से मिली जानकारी

इस पूरे मामले को लेकर आबकारी अधिकारी आशा सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी फोन के माध्यम से मिली है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का कहना है कि हमले में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गांव में फिलहाल तनावपूर्ण शांति बनी हुई है।

भाजपा आईटी सेल के मंडल संयोजक बने शशि रंजन सिंह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। भारतीय जनता पार्टी जिला सूरजपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में भाजपा आईटी सेल मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की सहमति से भाजपा आईटी सेल के जिला संयोजक शिव कुमार राजवाड़े द्वारा यह सूची जारी की गई। जारी कार्यकारिणी सूची में शशि रंजन सिंह को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। संगठन ने उन पर भरोसा जताते हुए डिजिटल माध्यम से पार्टी की नीतियों, योजनाओं और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है।

उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में भाजपा की आईटी गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। शशि रंजन सिंह ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा संगठन को डिजिटल स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे। भाजपा कार्यकताओं में इस घोषणा के बाद उत्साह का माहौल है और सभी ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

संघ शताब्दी वर्ष पर महुली में हुआ भव्य हिंदू सम्मेलन, दिया गया समाजिक समरसता का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के उपखंड बिहारपुर अंतर्गत ग्राम महुली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर रविवार को भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में मंडल महुली के अंतर्गत आने वाले नौ ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम, महापुरुषों, संतों, समाज सुधारकों एवं राष्ट्रनिमार्ताओं के चित्रों पर पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना तथा समाज में व्याप्त

कुरीतियों को दूर करने का संदेश देना रहा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित वीरेंद्र शर्मा विभाग संयोजक, धर्म जागरण समन्वय ने अपने उद्बोधन में भगवान श्रीराम के आदर्शों, संतों एवं महापुरुषों के विचारों को आत्मसात करने पर बल दिया। उन्होंने हिंदू समाज को संगठित रहने, छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों से दूरी बनाने तथा कर्म आधारित वर्ण व्यवस्था की मूल भावना को समझने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम महुली के सरपंच रन साय रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में कुसुम सिंह सदस्य, जिला पंचायत एवं मां गढ़वातिया मंदिर के मुख्य पंडा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में हिंदू समाज में एकता, समरसता एवं संस्कारों की महत्ता पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि हिंदू समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं एवं मूल्यों को सहेजते हुए सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर एकजुट होना होगा, तभी समाज और राष्ट्र सशक्त बन सकेगा। सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित, समाजहित एवं सांस्कृतिक जागरण के संकल्प के साथ किया गया।

फेडरेशन के समर्थन में तीन दिन शासकीय वाहन का चालन रहेगा ठप

सूरजपुर। छ.ग.प्रदेश शासकीय, अर्धशासकीय वाहन चालक एवं यांत्रिकी कर्मचारी संघ के प्रातांध्यक्ष ताराचंद साहू के मार्गदर्शन में उपप्रातांध्यक्ष आसन सिंह साड़िल्य, प्रदेश महामंत्री रमेश राजवाड़े, जिला अध्यक्ष परमेश्वर राम देवांगन ने छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा से सूरजपुर आगमन पर सर्किट हाउस में मुलाकात की। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की संभागीय बैठक जिला चिकित्सालय के सभागार में संपन्न हुई। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा डीए, वेतन विसंगति, कैशलेस सुविधा सहित 11 सूत्रीय मांगों के समर्थन में घोषित ह्यमोदी की गारंटी लागू करो पूरा न करने पर प्रदेश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए 29 से 31 दिसंबर को तीन दिवसीय निश्चितकालीन हड़ताल का शंखनाद किया गया है।

कृषक रामाधीन सिंह ने की उपार्जन केन्द्र की व्यवस्थाओं की सराहना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिले में संचालित धान उपार्जन केन्द्रों में सरल, सुगम और पारदर्शी व्यवस्था से किसानों को बड़ी राहत मिली है। टोकन प्रणाली, समयबद्ध प्रक्रिया और मूलभूत सुविधाओं के कारण अब धान विक्रय करना आसान हो गया है। अम्बिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत किशुनपुर के निवासी किसान रामधीन सिंह ने बताया कि इस बार फसल काफी अच्छी हुई है। उन्होंने बताया कि उनके पिता शिवचरण सिंह के नाम से धान का कुल रकबा लगभग 86.40 क्विंटल का है। टोकन काटने की प्रक्रिया बेहद आसान हो गई है। किसान रामाधीन सिंह ने बताया कि टोकन के अनुसार जब वे नमनाकला धान उपार्जन केन्द्र पहुंचे, तो वहां पहुंचते ही गेट पास जारी किया गया, नमी परीक्षण

किया गया और तत्काल बारदाना उपलब्ध करा दिया गया। पूरी प्रक्रिया निर्धारित समय में पूर्ण हुई और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने उपार्जन केन्द्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि किसानों के लिए उचित व्यवस्था और मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं, किसी प्रकार की असुविधा नहीं होती। रामाधीन ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य दिया जा रहा है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों एवं सब्जी उत्पादन में कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में और वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था से किसानों में खुशी का माहौल है। सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

सम्पादकीय

हादसों के घायलों को तुरंत मिले इलाज, तो बच सकती हैं जान

देशभर में हर साल सड़क हादसों में लाखों लोग काल का ग्रास बन रहे हैं। खास बात यह है कि इनमें युवाओं की तादाद ज्यादा है। तमाम सुधार के प्रयास और सख्त कानून के बावजूद हादसों पर लगाम लगती नहीं दिख रही। सड़क हादसे आज के समय में एक बड़ी समस्या बन गए हैं। तथ्य यह भी है कि हादसों में घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो ज्यादातर मामलों में जान बचाई जा सकती है। आईआईएम के एक अध्ययन के अनुसार अगर घायलों को समय पर इलाज मिल जाए तो 50 हजार से अधिक जिंदगियों को बचाया जा सकता है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम प्रयासों व दावों के बावजूद सही स्वास्थ्य ढांचा, समय पर मदद और एंबुलेंस के नहीं पहुंचने के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ जाती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर घंटे 55 दुर्घटनाएं और 20 मौतें होती हैं। अकेले 2023 की बात करें तो देश में 4,88,583 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,72,890 लोगों की मौत हुई हैं। राज्यसभा में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी स्वीकारा है कि भारत में हर साल करीब 5 लाख सड़क हादसे होते हैं, जिनमें औसतन 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। इनमें से 66% मौतें युवाओं (18 से 34 साल) की होती हैं। केंद्रीय मंत्री ने माना किया कि रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारने और कानून सख्त करने के बावजूद सरकार मौतों की संख्या घटाने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रही है। केंद्र सरकार राज्यों को आधुनिक एंबुलेंस देने की योजना बना रही है। इसके तहत एंबुलेंस हादसे की जगह पर 10 मिनट के भीतर पहुंचेगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय पर इलाज मिल सके और उनकी जान को बचाया जा सके। गडकरी ने बताया कि घायलों की मदद करने वाले लोगों को हमने 'राहवीर' की संज्ञा दी है। अब अगर कोई घायल को अस्पताल पहुंचाता है, तो सरकार की ओर से उसे 25,000 रुपये का इनाम मिलेगा। इसलिए लोगों को अब किसी की मदद करने से पहले दो बार सोचना नहीं होगा। तथ्य यह भी है कि बुनियादी ढांचे की कमियां, वाहन चालकों की लापरवाही और नियमों की अवहेलना सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है। मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, केवल ओवर-स्पीडिंग से 68.4 प्रतिशत दुर्घटनाएं और 68.1 प्रतिशत मौतें होती हैं। चालक अक्सर साइन बोर्ड पर लिखी गति सीमा को नजरअंदाज करते हैं और सुरक्षा नियमों के प्रति असंवेदनशील रहते हैं। इसके अलावा, कौशल की कमी और हेलमेट न पहनने से भी 54,568 लोगों की जान गई, सीट बेल्ट न पहनने से 16,025 मौतें हुईं और 33,827 दुर्घटनाओं में बिना लाइसेंस चालक शामिल थे। हादसों को रोकने के लिए कुछ कदम उठाए जा सकते हैं। देखने में आता है कि एक लेन वाले हाईवे पर आमने-सामने की टक्कर दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है। इस पर तुरंत दखल देने की जरूरत है। जो एक लेन वाले हाईवे ज्यादा खतरनाक हैं, उन्हें बीच में मजबूत डिवाइडर लगाकर बहु-लेन सड़कों में बदलना होगा। गति सीमा तय करनी होगी और इसका सख्ती से पालन करना होगा। सड़क हादसे एक जानलेवा समस्या है, जिसका समाधान हमें मिलकर करना होगा। हमें सड़क पर सावधानी से गाड़ी चलाना, सड़कों का सुधार करना, वाहनों का रखरखाव करना और यातायात नियमों का पालन करना होगा। तभी हम सड़क हादसों को रोक सकते हैं और अपने परिवारों को सुरक्षित रख सकते हैं।

विश्लेषण

विवेक शुक्ला

राहुल की जिद पर शाह के तर्क भारी

> बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान, राहुल गांधी ने राजद नेता तेजस्वी यादव को अकेला छोड़कर विदेश दौरा किया और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम की घोषणा में हस्तक्षेप किया। यह घटनाक्रम इतना गंभीर हुआ कि झारखंड की राजनीति में भी कांग्रेस को बाहर करने की बातें होने लगी थीं। राहुल गांधी की राजनीति की पहचान हमेशा जिद पर अड़े रहने की रही है। यह कोई अचरज की बात नहीं है कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे संसद में भी उखाड़-फेंके गए। खासकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कांग्रेस के चुनावी इतिहास को तर्कपूर्ण तरीके से खंडित किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक के चुनावी कदाचार को सामने रखा।

बिहार में कांग्रेस की करारी हार के बाद, राहुल गांधी के पास यह सुनहरा अवसर था कि वह अपनी छवि सुधारते हुए अपने गठबंधन के साथियों के साथ तालमेल बिठाते। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान, उन्होंने जो गलतियां की थीं, उन्हें सुधारने का यह समय था। चुनाव के दौरान, राहुल गांधी ने राजद नेता तेजस्वी यादव को अकेला छोड़कर विदेश दौरा किया और मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उनके नाम की घोषणा में हस्तक्षेप किया। यह घटनाक्रम इतना गंभीर हुआ कि झारखंड की राजनीति में भी कांग्रेस को बाहर करने की बातें होने लगी थीं। राहुल गांधी की राजनीति की पहचान हमेशा जिद पर अड़े रहने की रही है।

इस कारण से कांग्रेस के अंदर बहुत से नेता राहुल गांधी से खफा रहने लगे हैं। पर वे बेबस हैं। जब कांग्रेस की अपनी स्थिति इतनी खराब हो, तो यह कोई अचरज की बात नहीं है कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दे संसद में भी उखाड़-फेंके गए। खासकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कांग्रेस के चुनावी इतिहास को तर्कपूर्ण तरीके से खंडित किया। उन्होंने कांग्रेस के संस्थापक जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक के चुनावी कदाचार को सामने रखा। अमित शाह ने स्पष्ट रूप से यह बताया कि आज़ादी के बाद, जब प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए मतदान हुआ था, तो सरदार पटेल के पक्ष में 28 वोट आए थे, जबकि नेहरू को केवल 2 वोट मिले थे, फिर भी नेहरू को प्रधानमंत्री बना दिया गया। शाह ने इसे स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र का पहला अपमान बताया।

यह कांग्रेस के लिए एक शर्मनाक स्थिति थी और इस पर पार्टी कोई ठोस जवाब नहीं दे पाई। राहुल गांधी की रणनीति के बजाय, अब कांग्रेस का पूरा ध्यान यह आरोप लगाने पर केंद्रित हो गया है कि उनकी पार्टी के खिलाफ चुनावी धोखाधड़ी हो रही है। उनके पास तथ्यों और तर्कों का स्पष्ट अभाव है। यह उस पार्टी का दुर्भाग्य है, जिसका नेतृत्व यह मानने को तैयार नहीं कि उनकी पिछली गलतियों से कुछ सीखा जाए। राहुल गांधी की राजनीतिक शैली अब उस मुकाम पर पहुँच चुकी है, जहां चुनावी हार को ही अनुचित करार देना और सच्चाई को नकारना उनकी दिनचर्या बन चुकी है। राहुल गांधी ने लगातार प्रधानमंत्री मोदी पर 'वोट चोर' का आरोप लगाया, जो कि एक अप्रत्याशित और अनुशासनहीन आरोप था। जब अमित शाह ने इंदिरा गांधी के रायबरेली चुनाव में गड़बड़ी का हवाला दिया, तो कांग्रेस के सांसद चुप हो गए। अमित शाह ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध था, और इसे छिपाने के लिए संसद में एक कानून लाया गया था, जिससे प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं हो सकता। इस बीच, अमित शाह ने सोनिया गांधी के वोटर बनने के मामले को उठाया, जहां उन्होंने सवाल किया कि कैसे एक विदेशी नागरिक के

रूप में सोनिया गांधी मतदाता सूची में शामिल हो गईं। इससे कांग्रेस की साख और भी गिर गई, और पार्टी इस सवाल का जवाब नहीं दे सकी। कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति इस समय एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) पर अटकी हुई है। राहुल गांधी का यह प्रयास है कि किसी तरह उनकी पार्टी की हार को छुपाया जा सके। वह लगातार आरोप लगा रहे हैं कि मुसलमानों को मतदाता सूची से बाहर रखा जा रहा है, लेकिन जब तक इस पर कोई ठोस प्रमाण नहीं मिलते, यह आरोप बेबुनियाद नजर आते हैं। बीजेपी ने इस मुद्दे को पूरी तरह से उठा लिया है और कोई भी बाहरी नागरिक इस पर शिकायत नहीं कर रहा।

राहुल गांधी के पास इस सवाल का भी जवाब नहीं है कि बाहरी नागरिक भारत के मतदाता कैसे बने। इसी बीच, ममता बनर्जी की सरकार और अखिलेश यादव भी एसआईआर पर सहयोग कर रहे हैं, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने इसे जारी रखने के पक्ष में फैसला लिया है। अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि घुसपैठियों को पहचान कर उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। मोदी सरकार की यह प्रतिबद्धता है कि देश की जनसांख्यिकीय संरचना में किसी प्रकार की हेरफेर की अनुमति नहीं दी जाएगी। अमित शाह की यह स्पष्ट नीति और दृढ़ संकल्प दिखाता है कि वह किसी भी बाहरी या अवैध गतिविधि को सहन नहीं करेंगे। वहीं, राहुल गांधी अपनी जिद और राजनीति में विफलताओं से बाहर निकलने के बजाय, एसआईआर जैसे मुद्दों को हवा देकर अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरहाल, कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वोट चोरी के आरोप का चुनावी परिणाम पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं देखा गया है। इस आरोप का कांग्रेस के लिए चुनावी लाभ प्राप्त करने में सफलता न मिलने के कारण, सवाल उठने लगे हैं कि क्या यह आरोप सही तरीके से जनता तक पहुंचने में सक्षम हो पाया है या फिर यह आरोप सिर्फ राजनीतिक विपक्ष के ताने-बाने का हिस्सा बनकर रह गया है। वोट चोरी के आरोपों के बावजूद, मोदी सरकार के समर्थक इसे कांग्रेस की निराशा और चुनावी रणनीति का हिस्सा मानते हैं। वे इसे विपक्ष के एक निरर्थक प्रयास के रूप में देखते हैं, जो भाजपा के मजबूत जनाधार को कमजोर नहीं कर सकता। नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता, उनकी सरकार की योजनाओं और भाजपा के चुनावी अभियान की मजबूती ने कांग्रेस के आरोपों को प्रभावी रूप से बेअसर कर दिया है। मोदी और उनकी पार्टी ने इन आरोपों को नकारा करते हुए इसे विपक्ष की राजनीति का एक तरीका बताया है। इसके अलावा, भारतीय चुनाव आयोग की भूमिका और उसकी स्वतंत्रता पर जनता का भरोसा भी कांग्रेस के आरोपों को कमजोर करता है।

इस प्रकार, कांग्रेस के आरोपों का असर उस स्तर पर नहीं हुआ है जैसा उम्मीद की जा रही थी। लोग मोदी के खिलाफ आरोपों को ज्यादा गंभीरता से नहीं ले रहे, क्योंकि वे उन्हें कांग्रेस की चुनावी रणनीति और खुद को हताशा की अभिव्यक्ति मानते हैं। आगे चलकर, इस मुद्दे का कितना असर होगा, यह तो चुनावों के परिणामों से ही स्पष्ट होगा, लेकिन फिलहाल यह आरोप कोई खास प्रभाव डालता हुआ नजर नहीं आ रहा।

दिवस विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

बिटिश सामाज्य के विनाश के लिए गले लगाई शहादत !

आज स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लखनऊ के पास काकोरी में अंजाम दिए गए ऐतिहासिक ट्रेन एक्शन के तीन क्रांतिकारी नायकों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खां और रोशन सिंह का साझा शहादत दिवस है। दूसरे शब्दों में कहें तो उनकी शहादतों की स्मृतियों को ताजा करने और उनसे प्रेरणा लेने का दिन। उनके इस कार्य को अपने साम्राज्य के लिए सीधी चुनौती मानकर देश के तत्कालीन ब्रिटिश शासकों ने 1927 में 19 दिसम्बर को यानी आज के ही दिन बिस्मिल को उत्तर प्रदेश की गोरखपुर, अशफाक को फैजाबाद (अब अयोध्या) और रोशन सिंह को मलाका (तत्कालीन इलाहाबाद, अब प्रयागराज) की जेलों में फांसी पर लटकाकर शहीद कर डाला था। सुविदित है कि हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़े इन क्रान्तिकारियों ने अपने कुछ और साथियों के साथ नौ अगस्त, 1925 को आठ डाउन सहारनपुर लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में ले जाया जा रहा सरकारी खजाना काकोरी स्टेशन के पास लूट लिया था। उनका मानना था कि गोरी सरकार ने यह खजाना देशवासियों के चौतरफा शोषण और खुल्लमखुल्ला लूट से इकट्ठा किया है और इसे देश की मुक्ति के प्रयत्नों में खर्च करना ही उसका सबसे सार्थक उपयोग है। शहादत के वक्त, जैसी कि परम्परा है, गोरखपुर जेल में अफसरों द्वारा बिस्मिल से उनकी अंतिम इच्छा पूछी गई तो उनका दो टूक जवाब था : 'आई विश द डाउनफॉल आफ ब्रिटिश एम्पायर' यानी मैं ब्रिटिश साम्राज्य का नाश देखना चाहता हूं। शहादत से कुछ ही दिनों पहले उन्होंने उम्मीद भरी पंक्तियां लिखी थीं : मरते बिस्मिल, रोशन, लहरी, अशफाक अत्याचार से / होंगे पैदा सैकड़ों उनके रुधिर की धार से। इसी कड़ी में फैजाबाद (अब अयोध्या) की जेल में अशफाक उल्लाह खां ने (बिस्मिल से जिनकी वैचारिक एकता व

दोस्ती को हिंदू मुस्लिम सद्भाव की अद्भुत मिसाल बताया जाता है) कहा था कि उनकी अंतिम इच्छा यह है कि जब उन्हें फांसी पर लटकाया जाए तो उनके वकील फांसी घर के सामने खड़े होकर देखें कि वे कितनी खुशी और हसरत से उसके फंदे पर झूल रहे हैं। बिस्मिल और अशफाक में एक और समान बात यह थी कि दोनों शायर थे और ग़ज़लें कहते थे। बिस्मिल ने तो अनेक किताबें भी लिखी थीं। इनमें ग्यारह उन्होंने खुद छपवाईं और उनकी बिक्री से एकत्र धन से क्रांति कर्म के लिए हथियार खरीदे थे। गोरी सरकार को यह बात नागवार गुजरी तो उसने ये सारी किताबें जब्त कर ली थीं। उनकी आत्मकथा, जिसे वे अपनी शहादत से कुछ दिन पहले तक लिखते रहे थे, बाद में प्रकाशित हुई थी। अशफाक की बात करें तो वे बिस्मिल की गिरफ्तारी के बाद भी अरसे तक गोरी पुलिस के शिकंजे से बचे रहे थे और कभी नेपाल, कभी कानपुर तो कभी बनारस भागते फिर रहे थे। बनारस से छिपते-छिपाते वे झारखंड स्थित मेदिनीनगर (तब डाल्टनगंज) पहुंचे तो वहां दस महीने रहे थे।

दरअसल, हुआ यह कि काकोरी ट्रेन एक्शन के डेढ़ महीने बाद 26 सितम्बर, 1925 की रात गोरी पुलिस समूचे उत्तर भारत में संदिग्धों के घरों व ठिकानों पर अभियान के तौर पर छापे मारती व धर-पकड़ करती अशफाक के शाहजहांपुर स्थित घर पहुंची तो उन्होंने खुद को घर से थोड़ी दूर स्थित एक गन्ने के खेत में छिपाकर उसकी निगाहों से बचा लिया। हालांकि इससे पहले उनके दोस्त रामप्रसाद बिस्मिल मुखबिरों व गद्दारों के चलते पुलिस के हत्थे चढ़ चुके थे और उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जा चुका था। इसके बाद यह बात कोई रहस्य नहीं रह गई थी कि अशफाक घर पर ही बने रहे तो बहुत दिनों तक खैर नहीं मना सकेंगे। आखिर वे अपने जिले शाहजहांपुर के एक पुराने दोस्त के घर पर रहने लगे, जहां उसके विश्वासघात के शिकार हो गये। इस दोस्त ने उनकी गिरफ्तारी के लिए घोषित इनाम के लालच में धोखे से उन्हें पकड़वा दिया, जिसके बाद काकोरी एक्शन में शामिल होने को लेकर उन पर पूरक मुकदमा चलाया गया और फांसी की सजा सुना दी गई। उधर, मलाका जेल में शहीद किए गए रोशन सिंह को जिन्दादिली के बगैर जिन्दगी ही बेकार लगती थी। उन्होंने कहा था : जिन्दगी जिंदादिली को मान ऐ रोशन/ वरना कितने ही यहां रोज फना होते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

बड़े भाग मानुष तनु पावा

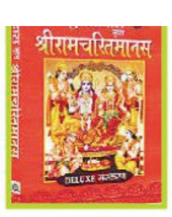

संकलित

दर्शन

संवाद का ऐसा सांगोपांग निर्वहन संसार के किसी स्मृति साहित्य में नहीं मिलेगा, जो श्रीरामचरितमानस में है। पूरा मानस भक्त काकभुशुंडि और ज्ञानी पक्षीराज गरुड़ के बीच का संवाद है। भक्त काकभुशुंडि वक्ता हैं और ज्ञानी गरुड़ श्रोता हैं। भक्त प्रतिपादन कर रहा है और ज्ञानी जिज्ञासा कर रहा है। भक्त के प्रतिपादन में भावना का वह समुद्र लहराता है, जिसमें तनिक भी खारापन नहीं होता है और ज्ञानी की जिज्ञासा में कुतर्क का अभाव होता है। भक्त और ज्ञानी दोनों का परम उद्देश्य रामराज्य है, जो आचरण के उपादान के बगैर संभव नहीं है। समग्र रामकथा श्रवण के पश्चात पक्षीराज गरुण काकभुशुंडि जी से सात प्रश्नों की जिज्ञासा करते हैं। पहला प्रश्न पूछते हुए वह कहते हैं कि सबसे दुर्लभ शरीर कौन सा है? काकभुशुंडि जी उत्तर देते हैं कि मनुष्य शरीर सबसे दुर्लभ है, क्योंकि मैंने स्वयं भी इसी शरीर के रहते भगवान और उनकी भक्ति को पाया है। वह कहते हैं कि मनुष्य तन ही वह उपलब्धि है, जो मोक्ष सुख का अनुभव भी करा सकता है। स्वर्ग के सुख को लोग भले ही श्रेष्ठ मानते हों, पर अंत में वह भी अल्प है और दुख का कारण बनता है। भक्त के जीवन में जो प्राप्त शरीर है, वह भी आराध्य को पाने का उपादान होने के कारण पूज्य हो जाता है। संसार में भी किसी व्यक्ति के सहयोग से यदि हमें कुछ विशेष उपलब्धि हो गई हो तो हम जीवन भर उसके कृतज्ञ रहते हैं, उसी प्रकार काकभुशुंडि जी कह रहे हैं कि शरीर मिथ्या तो तब होगा, जब इसका उद्देश्य भोगों की प्राप्ति हो, पर जब वही शरीर भगवत्प्राप्ति का साधन बन जाए तो वह अपने अभीष्ट को पाकर धन्य हो जाता है।

जमींदार और मजदूर के कर्म का फल

संकलित

प्रेरणा

एक गांव में जमींदार और उसके एक मजदूर की साथ ही मौत हुई। दोनों यमलोक पहुंचे। धर्मराज ने जमींदार से कहा: आज से तुम मजदूर की सेवा करोगे। मजदूर से कहा: अब तुम कोई काम नहीं करोगे, आराम से यहां रहोगे। जमींदार परेशान हो गया। पृथ्वी पर तो मजदूर जमींदार की सेवा करता था, पर अब उल्टा होने वाला था। जमींदार ने कहा: भगवन, आप ने मुझे यह सजा क्यों दी? मैं तो भगवान का परम भक्त हूं। प्रतिदिन मंदिर जाता था। देसी घी से भगवान की आरती करता था और बहुमूल्य चीजें दान करता था। धर्म के अन्य आयोजन भी मैं करता ही रहता था। धर्मराज ने मजदूर से पूछा: तुम क्या करते थे पृथ्वी पर? मजदूर ने कहा: भगवन, मैं गरीब मजदूर था। दिन भर जमींदार के खेत में मेहनत मजदूरी करता था। मजदूरी में उनके यहां से जितना मिलता था, उसी में परिवार के साथ गुजारा करता था। मोह माया से दूर जब समय मिलता था तब भगवान को याद कर लेता था। भगवान से कभी कुछ मांगा नहीं। गरीबी के कारण प्रतिदिन मंदिर में आरती तो नहीं कर पाता था, लेकिन जब घर में तेल होता तब मंदिर में आरती करता था और आरती के बाद दीपक को अंधेरी गली में रख देता था ताकि अंधेरे में आने-जाने वाले लोगों को प्रकाश मिले। धर्मराज ने जमींदार से कहा: आपने सुन ली न मजदूर की बात? भगवान धन-दौलत और अहंकार से खुश नहीं होते। भगवान मेहनत और ईमानदारी से कमाने वाले व्यक्ति से प्रसन्न रहते हैं।

ओपनबिल स्टॉर्क

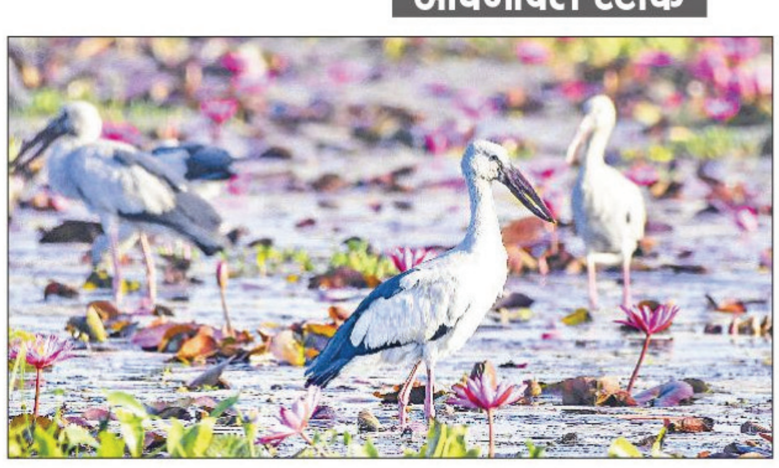

असम के मोरीगांव जिले में गुरुवार को एक एशियाई ओपनबिल स्टॉर्क खिले हुए वाटर लिली फूलों के से भरे झील के बीच शिकार के लिए जा रहा है।

आज की पाती

धुंध न बने दुर्घटना का कारण

बीते दिन उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरा कुछ लोगों की जान का दुश्मन बन गया। यहां लगभग सात बसें और तीन कारें गहरे कोहरे के कारण आपस में टकरा गईं। हमारे देश में दिन प्रतिदिन सड़क हादसों में जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। देश में सड़क हादसों में एक दिन में जितने लोग जान गंवाते हैं, उतने तो आतंकवाद के शिकार नहीं होते। या यूं कहा जा सकता है कि हमारे देश के लिए आतंकवाद से ज्यादा बड़ी समस्या सड़कों पर बढ़ते हादसों की है। वैसे तो हर मौसम में सड़क हादसों की गिनती कम नहीं होती, लेकिन सर्दियों के मौसम में धुंध में विजिबिलटी कम रहने से सड़क पर जरा भी लापरवाही जान पर भारी पड़ सकती है। सर्दियों में पड़ने वाली धुंध भी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनती है। ऐसे उपाय खोजने होंगे कि धुंध दुर्घटनाओं का कारण न बने। - *मुकेश देवांगन, जगदलपुर*

करंट अफेयर

बीजिंग में वायु गुणवत्ता सूचकांक बढ़कर 215 पर

चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो "बेहद अस्वास्थ्यकारी" स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है। बीजिंग में प्रदूषित वायु गुणवत्ता के साथ धुंध इन दिनों कम ही देखने को मिलती है, जबकि पहले यहां भारी प्रदूषण देखा जाता था। सरकार ने 2016 में कई कदम उठाए थे, जिनमें भारी प्रदूषण का कारण बनने वाले उद्योगों को बंद करना और उन्हें स्थानांतरित करना शामिल था। इसके लिए अरबों डॉलर खर्च किए गए। अधिकारियों का कहना है कि सर्दी के दौरान शहर में कोयले से चलने वाली सार्वजनिक हीटिंग व्यवस्था की जगह प्राकृतिक गैस या बिजली से चलने वाली हीटिंग व्यवस्था अपनाई गई, जिसके लिए एक अरब डॉलर से अधिक धनराशि खर्च की गई।

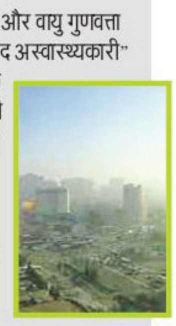

ऑफ बीट

जीवनकाल पर आहार प्रतिबंध या अच्छे जीन का असर

आखिरकार, यह लंबे समय से माना जाता रहा है कि ज्यादा समय तक जीने वाले लोगों के माता-पिता और दादा-दादी लंबे समय तक जीवित रहते हैं, जो यह दर्शाता है कि आनुवंशिकी दीर्घायु को प्रभावित करती है। हालांकि, तस्वीर को जटिल बनाने वाली बात यह है कि हम जानते हैं कि आपकी जीवनशैली, खास तौर पर आहार और व्यायाम का योग भी बुढ़ापे में आपके स्वास्थ्य और आपके जीवन की अवधि को काफी हद तक प्रभावित करता है। जीवनशैली बनाम आनुवंशिकी क्या योगदान देती है, यह एक खुला प्रश्न है जिस पर 'नेचर' में हाल में प्रकाशित एक अध्ययन ने नयी रोशनी डाली है। वैज्ञानिकों को लंबे समय से पता है कि कैलोरी का सेवन कम करने से जानवर लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं। 1930 के दशक में, यह देखा गया कि कम कैलोरी वाले चूहे उन चूहों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रहे जो जितना चाहें उतना खा सकते थे। इसी तरह, जो लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय होते हैं वे अधिक समय तक जीवित रहते हैं। लेकिन विशेष रूप से एकल जीन को दीर्घायु से जोड़ना हाल तक विवादास्पद था।

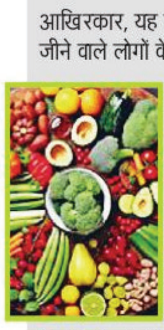

ट्रेंड

नरेंद्र मोदी का सम्मान

ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'द फर्स्ट क्लास ऑफ द ऑर्डर ऑफ ओमान' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया जाना उनकी कुशल राजनीतिज्ञता और वैश्विक नेता के रूप में उनकी स्वीकृति का एक भव्य प्रमाण है।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मनरेगा को लागू किया

नरेगा का नाम पहले महात्मा गांधी के नाम पर नहीं रखा गया था, वह तो नरेगा थी। बाद में जब 2009 के चुनाव आए तो चुनाव और वोट के कारण बापू याद आए, महात्मा गांधी याद आए और तब उस पर महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया। मनरेगा को भी ताकत के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ढंग से लागू किया।
- शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषिमंत्री

'आखिरी सलाम'

हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से मध्यप्रदेश ने 11 दिसंबर, को नक्सलवादियों के 'लाल सलाम' को 'आखिरी सलाम' कर दिया है। अब भविष्य में ऐसी किसी गतिविधि को बढ़ने नहीं देंगे।
- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

भयानक प्रदूषण

10 साल तक दिल्ली में हमारी सरकार रही, कभी इतना भयानक प्रदूषण नहीं देखा, फिर भी हमने कड़े कदम उठाए। आज हाल ये है कि बीजेपी सरकार ऑफिशियल एक्यूआई तक मैनेज करने में लगी है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति ने 'वाइस-प्रेसिडेंट एन्क्लेव' में मनाया क्रिसमस, विशिष्ट मेहमान भोजन पर आमंत्रित किए

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने क्रिसमस से पूर्व आज वाइस-प्रेसिडेंट एन्क्लेव में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम की मेजबानी की। इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं और नववर्ष की अग्रिम बधाई दी। उसके बाद उपराष्ट्रपति ने विशिष्ट मेहमानों के साथ दोपहर के लजीज भोजन का भी आनंद लिया। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि क्रिसमस प्रेम, आशा और करुणा का शाश्वत संदेश देता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि क्रिसमस की भावना केवल त्योहार तक सीमित न रहे, बल्कि इसे दैनिक जीवन में भी अपनाया जाए।

ईसाई समुदाय का राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान

उपराष्ट्रपति ने ईसाई समुदाय के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, आदिवासी क्षेत्रों के विकास और वंचित वर्गों के उत्थान में ईसाई समाज की भूमिका अहम रही है। उन्होंने ईसाई समुदाय से राष्ट्र निर्माण में अपने योगदान को आगे भी जारी रखने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर भी बल दिया और जलवायु परिवर्तन से निपटने तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मिशन पर्यावरण के लिए जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और सुरेश गोपी, कार्डिनल्स, आर्चबिशप्स, बिशप्स, पादरी, पास्टर्स, रेवरेन्ड फादर्स और सिस्टर्स सहित देशभर के विभिन्न चर्च प्रशासन के वरिष्ठ प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने राज्यसभा में दी जानकारी

उर्वरकों की स्थिर कीमतें, उपलब्धता तय कर रही है सरकार: ठाकुर

नई दिल्ली

यूरिया का अधिकतम खुदरा मूल्य साल 2018 से स्थिर बना हुआ है। इसी तरह, डीएपी की कीमतें भी पिछले तीन वर्षों से स्थिर हैं। इन कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए, भारत सरकार यूरिया और फॉस्फेटिक व पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों, दोनों पर सब्सिडी का बोझ खुद उठा रही है। यह जानकारी शुक्रवार को राज्यसभा में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर द्वारा एक लिखित उत्तर में दी गई।

यूरिया पर होने वाला वास्तविक खर्च प्राकृतिक गैस की कीमतों, उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले अन्य कच्चे माल की लागत और यूरिया के अंतरराष्ट्रीय आयात मूल्यों में होने वाले उतार-चढ़ाव के अनुसार बदलता रहता है। वहीं, पीएंडके योजना के तहत, अधिसूचित उर्वरकों पर वार्षिक या अर्ध-वार्षिक आधार पर सब्सिडी की एक निश्चित राशि तय की जाती है।

उन्होंने जानकारी दी कि पूर्वोत्तर राज्यों को छोड़कर अन्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई) के माध्यम से और पूर्वोत्तर राज्यों में मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट फॉर नॉर्थ ईस्टर्न रीजन (एमओवीसीडीएनईआर) के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। पीकेवीवाई के तहत, जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 3 वर्षों में 31,500 रूपये प्रति हेक्टेयर की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें से 15,000 रुपए प्रति हेक्टेयर की राशि किसानों को जैविक खाद सहित ऑन-फार्म और ऑफ-फार्म जैविक इनपुट के लिए 'प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण' (डीबीटी) के माध्यम से दी जाती है।

वहीं, एमओवीसीडीएनईआर के तहत, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और जैविक इनपुट के लिए 3 वर्षों में 46,500 रुपए प्रति हेक्टेयर की सहायता दी जाती है। इसमें से 32,500 रुपए प्रति हेक्टेयर की राशि ऑफ-फार्म/ऑन-फार्म जैविक इनपुट के लिए निर्धारित है, जिसमें 15,000 रुपए की राशि किसानों को डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जाती है।

रामनाथ ठाकुर ने बताया कि सरकार मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता योजना के माध्यम से उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा दे रही है। यह योजना 2014-15 से लागू की गई है, जिसका उद्देश्य सभी सभी खेतों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) प्रदान करना है, ताकि उत्पादकता और मिट्टी की उर्वरता में सुधार के लिए संतुलित और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। किसानों के खेतों की मिट्टी का समय-समय पर परीक्षण किया जाता है ताकि कम से कम 3 साल में एक बार मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जा सके।

2014-15 से अब तक देश भर में 25.61 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार और वितरित किए जा चुके हैं। इस योजना के तहत शुरुआत से अब तक 1970 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। साथ ही, देश भर में मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर 93,781 किसान प्रशिक्षण, 6.80 लाख प्रदर्शन और 7,425 किसान मेलों या अभियानों का आयोजन किया गया है।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/31-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्जुन पटेल आ० बन्धू राम पटेल जाति कुनबी निवासी गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 171/4 रकबा 0.080 हे0 में से 0.048 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मनीषा कुशवाहा पति संजय कुमार कुशवाहा, जाति कोइरी, निवासी ग्राम / नगर अहिरपारा करवां, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 200/14 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 29/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शबनम कुजूर पत्नी मनीष राजा मुदलियार जाति उरांव निवासी पचफेड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम पचफेड़ी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 156/5 रकबा 0.070 हे0 में से 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आंपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अशोक कुमार सिंह आ० चन्द्रदेव सिंह जाति क्षत्रिय आयु 57 वर्ष निवासी ठनगनपारा अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-3 मोहल्ला ठनगननपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1718/2, 1719/2 रकबा कमशः 0.03, 0.02 एकड़ भूमि एवं निर्मित मकान को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-05/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांकः- 05/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक संजय सिंह आ० चन्द्रदेव सिंह जाति क्षत्रिय आयु 52 वर्ष निवासी ठनगनपारा अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-3 मोहल्ला ठनगननपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1718/3, 1719/1 रकबा कमशः 0.02, 0.02 एकड़ भूमि एवं निर्मित मकान को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-05/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। जारी। आज दिनांकः- 05/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया

नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली- एनसीआर वायु प्रदूषण पर चौथी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति से निपटने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों और नगर निकायों की कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की। यह बैठकों की श्रृंखला में चौथी बैठक थी, जो निर्धारित प्रारूप में और निर्धारित मापदंडों के आधार पर आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह भी उपस्थित थे। यादव ने दिल्ली-एनसीआर में खराब वायु गुणवत्ता की लगातार बनी हुई समस्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अभी तैयार की जा रही कार्य योजनाओं की समीक्षा जनवरी 2026 से हर महीने मंत्री स्तर पर की जाएगी। राज्य सरकारों से कहा गया कि वे सभी एनसीआर शहरों की भविष्य में प्रस्तुत की जाने वाली कार्य योजनाओं को अपने अधिकार क्षेत्र में एकीकृत करें।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करें

उन्होंने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने राज्य सरकारों और नगर निकायों के किए गए उपायों पर अलग-अलग प्रस्तुतियों की समीक्षा की। उन्होंने जोर दिया कि इन कार्रवाइयों की गति को तब तक बनाए रखना आवश्यक है जब तक कि पूरे एनसीआर में वायु गुणवत्ता में स्पष्ट सुधार न हो जाए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन आम जनता को अनावश्यक असुविधा नहीं होनी चाहिए। चिन्हित मुद्दों को सुधारात्मक कार्रवाई के माध्यम से हल किया जाएगा, जिसकी समीक्षा 15 दिनों में की जाएगी।

डीएवी में वार्षिक खेल उत्सव 'स्पर्धा' का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

बीजपुर (सोनभद्र) क्षेत्र की सर्वाधिक विश्वसनीय अंग्रेजी माध्यम की शिक्षण संस्था डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आज दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव ₹स्पर्धा₹ का भव्य तरीके से शुभारंभ किया गया। सैकड़ों विद्यार्थियों, अभिभावकों के करतल ध्वनि के मध्य एनटीपीसी रिंहद के परियोजना प्रमुख श्री अनिल श्रीवास्तव ने खेल ध्वजारोहण के उपरांत मशाल प्रज्वलित कर दौड़ के प्रतिभागी शनि देवल को मशाल सौंप दिया। तत्पश्चात स्पोर्ट्स कैप्टन तनुजा त्रिपाठी ने सभी खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलवाई। प्राचार्य श्री राजकुमार के स्वागत संबोधन के बाद छात्राओं ने स्वागत नृत्य, योगा एवं राजस्थानी घूमर के द्वारा अतिथियों एवं अभिभावकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद मुख्य अतिथि श्री अनिल श्रीवास्तव ने वार्षिक खेल उत्सव प्रारंभ करने की उद्घोषणा की।

राष्ट्रपति ट्रंप ने रक्षा कानून एनडीएए पर किए हस्ताक्षर

इंडो-पैसिफिक के तहत भारत और यूएस रक्षा साझेदारी होगी मजबूत

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वित्त वर्ष 2026 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (एनडीएए) पर हस्ताक्षर किए। यह एक बड़ा रक्षा कानून है, जिसमें वाशिंगटन की इंडो-पैसिफिक पॉलिसी के हिस्से के तौर पर भारत के साथ अमेरिकी सैन्य सहयोग बढ़ाने और क्वाड के जरिए संबंधों को गहरा करने की बात कही गई है। यह कानून राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च के लिए 890 बिलियन डॉलर की मंजूरी देता है। यह अमेरिका को भारत के साथ सहयोग बढ़ाने का निर्देश देता है, जिसमें क्वाड सुरक्षा संवाद के जरिए एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देना शामिल है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड मामला

लूथरा ब्रदर्स ने जेल में फर्श पर बिना पंखे के बिताई रात, सादा खाना खाया

एजेंसी नई दिल्ली

गोवा के अरपोरा में 'बिर्च बाय रोमियो लेन' के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा ने बुधवार रात अंजुना जेल में बिना पंखे के बिताई। जेल में दोनों भाइयों ने सादा खाना चावल-दाल खाया। अपनी पहली रात बिना किसी चटाई या कंबल के फर्श पर सोकर बिताई।

उन्हें सोमवार तक पुलिस जेल में ही में रखा जाएगा। गोवा पुलिस ने इस मामले में दोनों भाइयों से पूछताछ शुरू कर दी है। लूथरा ब्रदर्स से उनके साथियों की भूमिका, फैसले लेने की प्रक्रिया, फाइनेंशियल मामलों, इवेंट की परमिशन और दूसरे पार्टनर, मैनेजर और ऑर्गनाइजर की भागीदारी के बारे में 80 से ज्यादा सवाल पूछे गए।

गौरव (बाएं) और सौरभ लूथरा

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच हुई प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक

वैश्विक मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई

आतंकवाद से मुकाबले के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर सहमत भारत-नीदरलैंड

नई दिल्ली

घरेलू और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के मुश्किल दौर में शुक्रवार को नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वेन वील के एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के आपसी संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि बैठक में दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जारी प्रमुख गतिविधियों, यूक्रेन, दक्षिण-एशिया-पश्चिम-एशिया और मध्य एशिया के हालातों के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया।

आतंकवाद किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं: भारत

नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने राजधानी दिल्ली में बीते वक्त में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी ओर से संवेदनाएं प्रकट की हैं। दोनों पक्षों ने आतंकवाद की उसके सभी रूपों, प्रकारों और अभिव्यक्तियों की सख्त अंदाज में निंदा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक चुनौती से मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग को व्यापक और सतत रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला-जशपुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202512031100031

विषयः-अ-2
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सतः-2025-2026
पत्थलगांव प.ह.न. 00006 [332/14(0.0240 हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार श्रीमती सोनाली शर्मा पति प्रतिक शर्मा,
अनावेदक पक्षकार छ.ग. शासन,

ईश्तहार

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सोनाली शर्मा पत्ति प्रतिक शर्मा जाति ब्राहम्ण निवासी ग्राम पत्थलगांव (छ.ग.) के द्वारा सारिणी में उल्लेखित ग्राम पत्थलगांव प. ह. नं. 06 स्थित आवेदित भूमि ख.नं. 332/14, रकबा 0.024 हे. (243.12 वर्गमीटर) भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 31.12.2025 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दाबा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। प्रतिवेदन एवं प्रयोजनार्थ ले-आउट नगर निवेश जशपुर से अनुमोदनार्थ सहित समयावधि में दिनांक 31/12/2025 तक जमा करें, अन्यथा शासनादेशानुसार निराकरण किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2025 को जारी किया जाता है

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, पत्थलगांव जिला-जशपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-../ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक निवेश गोयल आ० धनश्याम दास अग्रवाल, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर -3 ब्रम्हरोड, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 912/3 रकबा 0.04 एकड़ पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर स्टील पार्किंग एवं पोर्च रकबा 89.89 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 126.58 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 126.58 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 05/01/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा आजदिनांकः- 28/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०.../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सांची तायल आ० सुभाष लाल अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी शीतल भवन महामाया रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2395/5 रकबा 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा). अधिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
इश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अर्जुन पटेल आ० बन्धू राम पटेल जाति कुनबी निवासी गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थितं ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 171/4 रकबा 0.080 हे0 में से 0.032 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष उपाध्याय पिता ब्रम्हदेव वगै० जाति ब्रम्हदेव निवासी तकिया रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2070/87 रकबा 0.024 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15 /12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला गुप्ता पत्नी परमेश्वर प्रसाद गुप्ता जाति तेली निवासी सीतापुर तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2057/9 रकबा 0.036 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला गुप्ता पत्नी परमेश्वर प्रसाद गुप्ता जाति तेली निवासी सीतापुर तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2057/3 रकबा 0.044 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्तं संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा). अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नन्द किशोर गर्ग पिता लखन लाल गर्ग जाति अग्रवाल निवासी कुनकुरीकला तहसील बतौली जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 173/10, 173/11 रकबा 0.036, 0.010 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 30/12/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक15/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर में स्वास्थ्य क्रांति

दो वर्षों में बदली जिले की तस्वीर, आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की मिली बड़ी सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में जशपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं ने ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बना है। कभी सीमित संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझने वाला यह जिला आज आधुनिक चिकित्सा ढांचे, सुदृढ़ आपात सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण प्रदेश के अग्रणी जिलों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जशपुर की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। पहले जहां दूरस्थ अंचलों के लोगों को सामान्य उपचार और सुरक्षित प्रसव के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब जिले में ही उच्च स्तरीय उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। डायलिसिस जैसी जटिल सेवाएं, जो कभी कल्पना से परे थीं, अब जिलेवासियों के लिए सुलभ होती जा रही हैं।

दो वर्षों में मिली स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिलीं जिले को कई ऐतिहासिक सौगातें

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए अनेक बड़े निर्णय लिए गए हैं। जशपुर में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए वित्त विभाग से 359 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति मिलना जिले के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही 220 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक अस्पताल के निर्माण के लिए 32 करोड़ रुपये की मंजूरी ने जिले में उच्च स्तरीय चिकित्सा व्यवस्था की नींव रख दी है।अखिल भारतीय कल्याण आश्रम परिसर में 35 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक चिकित्सालय का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है, जो भविष्य में जशपुर को एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। वहीं नर्सिंग शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8.78 करोड़ रुपये की लागत से नर्सिंग कॉलेज भवन निर्माण को स्वीकृति दी गई है, जिससे जिले को प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की स्थायी उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य को मिली प्राथमिकता

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए कुनकुरी में 50 बिस्तरों वाले मातृ-शिशु अस्पताल का निर्माण 8.77 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त जिले में 14 करोड़ रुपये की लागत से फिजियोथेरेपी

महाविद्यालय तथा कुनकुरी में 2 करोड़ 62 लाख रुपये से नेचुरोपैथी भवन निर्माण की स्वीकृति ने स्वास्थ्य सेवाओं को बहुआयामी बनाया है। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर जिले के फरसाबहार मुख्यालय में बहुत जल्द सत्य साईं मातृत्व शिशु चिकित्सालय की स्थापना होगी जो जिले वासियों के साथ पड़ोसी राज्यों को भी इसकी सुविधाएं मुहैया होगी। यह नागलोग क्षेत्र वासियों के लिए बड़ी सौगात है।अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों के लिए यह वरदान साबित होगी।

जिले में आपातकालीन सेवाओं को मिली नई गति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले में आपात चिकित्सा सेवाओं का उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। स्वास्थ्य आपात स्थितियों में त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए जिले को 10 नई 108 संजीवनी एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। अब जिले में कुल 24 संजीवनी एक्सप्रेस एंबुलेंस जीवनरक्षक सेवा प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा 102 महतारी एक्सप्रेस की 18 एंबुलेंस गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल पहुंचाकर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित कर रही हैं। प्रत्येक विकासखंड में शव वाहन की उपलब्धता ने कठिन समय में ग्रामीण परिवारों को बड़ी राहत दी है।

नए स्वास्थ्य केंद्रों की सौगात से ग्रामीण क्षेत्रों को मिला संबल

जिले के स्वास्थ्य ढांचे को जमीनी स्तर पर मजबूत करते हुए कोतबा में 4 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण की स्वीकृति दी गई है। साथ ही जिले के फरसाबहार तहसील के पेटामारा (अंकिरा) एवं गांझियाडीह, दुलदुला तहसील के करडेगा एवं सीरिमकेला तथा कुनकुरी तहसील के केराडीह में 5 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना को मंजूरी मिली है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ जाएगी। आज जशपुर स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में किए गए ये ऐतिहासिक प्रयास जिले को एक मजबूत, सक्षम और आधुनिक स्वास्थ्य मॉडल के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

सुव्यवस्थित धान खरीदी से बढ़ा किसानों का भरोसा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पूरे छत्तीसगढ़ सहित धमतरी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया को पूरी तरह सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-हितैषी ढंग से संचालित किया जा रहा है। किसानों की सुविधा और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है, जो लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। इसका सकारात्मक परिणाम यह है कि किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहे हैं और शासकीय योजनाओं का सीधा लाभ प्राप्त कर रहे हैं। धान खरीदी प्रक्रिया में तुंहर टोकन ऐप ने किसानों के लिए व्यवस्था को और अधिक सरल व सुगम बना दिया है। समय पर टोकन उपलब्ध होना, केंद्रों में व्यवस्थित तौल, बैठने की सुविधा, पेयजल एवं छाया जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं ने किसानों का शासन-प्रशासन पर भरोसा और मजबूत किया है। धमतरी जिले के किसान इन व्यवस्थाओं से संतुष्ट होकर खुशी व्यक्त कर रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरक सफलता की कहानी है ग्राम पोटियाडीह के किसान नरेन्द्र कांकरिया की। श्री कांकरिया ने खरीफ मौसम में अपने 8 एकड़ 15 डिस्मिल रकबे में धान की खेती की। उन्हें तुंहर टोकन ऐप के माध्यम से पहले टोकन में 80 क्विंटल धान बेचने का अवसर मिला।

जहाँ बंदूकें खामोश हुईं, वहाँ भविष्य की नींव रखी जा रही है

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कभी जिन हाथों में बंदूकें थीं, आज उन्हीं हाथों में औजार हैं। कभी जिन रास्तों पर हिंसा और डर का साया था, आज वहीं विकास और भरोसे की नींव रखी जा रही है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच और स्पष्ट मंशा के अनुरूप सुकमा जिले में आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की एक नई और सकारात्मक तस्वीर उभरकर सामने आई है। वहाँ पुनर्वास केंद्र में रह रहे 35 आत्मसमर्पित नक्सलियों को राजमिस्त्री (मेसन) का व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल की गई है। यह प्रशिक्षण जिला प्रशासन और एसबीआई आरसेटी के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 महिलाएं और 20 पुरुष शामिल हैं। इन्हें भवन निर्माण से जुड़े सभी आवश्यक तकनीकी और व्यावहारिक कौशल जैसे नींव निर्माण, ईंट चिनाई, प्लास्टर कार्य, छत ढलाई, गुणवत्ता मानक का व्यवस्थित और चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि ये किसी भी निर्माण कार्य में दक्षता के साथ काम कर सकें। यह पहल केवल रोजगार प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मसमर्पित युवाओं के जीवन को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम बन रही है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये युवा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिले में अधूरे और नए आवासों के

निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इससे एक ओर उन्हें स्थायी और सम्मानजनक रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर नक्सल प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही कुशल राजमिस्त्रियों की कमी भी दूर होगी। कलेक्टर देवेश ध्रुव ने इस पहल को सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि आत्मसमर्पण का वास्तविक अर्थ केवल हथियार छोड़ना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मान के साथ लौटना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि पुनर्वास केंद्र में रह रहे युवाओं को कौशल, रोजगार और सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सम्मान के साथ जीवन जी सकें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुन्द ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित विभिन्न शासकीय निर्माण कार्यों के सफल क्रियान्वयन के लिए कुशल मानव संसाधन अत्यंत आवश्यक है। यह प्रशिक्षण आत्मसमर्पित युवाओं को रोजगार और सामाजिक सरोकार से जोड़ेगा। पोलमपल्ली निवासी पुनर्वासित पोड़ियम भीमा बताते हैं कि वे लगभग 30 वर्षों तक संगठन से जुड़े रहे, लेकिन आत्मसमर्पण के बाद उनका जीवन पूरी तरह बदल गया है। ह्ययहाँ रहने और खाने की अच्छी व्यवस्था है। हमें राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले इलेक्ट्रीशियन मैकेनिक का प्रशिक्षण भी मिला। अब मैं सम्मान के साथ काम कर सकूंगा। पुवर्ती निवासी मुचाकी रनवती बताती हैं कि वे 24 वर्षों तक संगठन से जुड़ी रहीं। पुनर्वास के बाद मुझे सिलाई का प्रशिक्षण मिला। अब राजमिस्त्री का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हम अपने परिवार से मिल पाए, बस्तर ओलंपिक में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार भी जीता। शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिल रहा है। डब्बमरका निवासी गंगा वेट्टी ने कहा कि पुनर्वास के बाद उनका जीवन पूरी तरह बदल गया है। जिला प्रशासन ने मोबाइल और राजमिस्त्री किट दी है। शिविर लगाकर आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और जॉब कार्ड बनाए गए हैं। कोई समस्या होती है तो कलेक्टर और एसपी तुरंत सुनवाई करते हैं।

धान खरीदी केंद्रों का कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और किसान हितैषी बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके तहत बालोद कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने आज डौण्डीलोहरा एवं डौण्डी विकासखण्ड के विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की गहन पड़ताल की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने डौण्डीलोहरा विकासखण्ड के गैंजी तथा डौण्डी विकासखण्ड के चिखलाकसा, कोटागांव, भरीटोला एवं घोटिया धान खरीदी केन्द्रों में उपलब्ध दस्तावेजों का सूक्ष्म अवलोकन किया। उन्होंने अब तक खरीदी गई कुल धान की मात्रा, ग्रामवार औसत पैदावार, रकबा समर्पण की स्थिति तथा पंजी संधारण की विस्तार से समीक्षा की। डौण्डी विकासखण्ड स्थित धान खरीदी केन्द्र चिखलाकसा के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मौके पर धान बोरों की तौल कराई। तौलाई के दौरान चार अलग-अलग बोरों में धान की मात्रा निर्धारित मानक 40 किलो 680 ग्राम से अधिक, लगभग 41 किलोग्राम पाई गई। इस गंभीर अनियमितता पर कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति प्रबंधक एवं कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई तथा समिति प्रबंधक भगवान सिंह ठाकुर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों का उल्लंघन कतई स्वीकार्य नहीं होगा।

रकबा समर्पण और सत्यापन पर विशेष जोर

धान खरीदी केन्द्र गैंजी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रकबा समर्पण की स्थिति की जानकारी लेते हुए एक टोकन वाले किसानों के साथ-साथ 02 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ से अधिक रकबा रखने वाले किसानों की संख्या की भी समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने धान विक्रय हेतु पहुँचे किसान श्री दीपक यामले से चर्चा कर उन्हें धान बिक्री के पश्चात शेष रकबे का अनिवार्य रूप से समर्पण करने की समझाइश दी। किसान द्वारा घर में शेष लगभग 130 क्विंटल धान रखे होने की जानकारी पर कलेक्टर ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी एवं संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम को किसान के घर भेजकर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने धान खरीदी केन्द्रों में किसानों द्वारा बिक्री हेतु लाए गए धान का अवलोकन किया तथा नमी मापक यंत्र से नमी जांच अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को केवल साफ-सुथरा एवं गुणवत्तायुक्त धान ही बिक्री हेतु लाने की समझाइश दी।

धान खरीदी केन्द्र चिखलाकसा में कलेक्टर ने नोडल अधिकारी, समिति प्रबंधक एवं निगरानी समिति के सदस्यों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने रकबा समर्पण पंजी का अवलोकन कर अब तक समर्पण करने वाले किसानों की संख्या की समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि नोडल अधिकारी एवं निगरानी समिति के सदस्य प्रतिदिन सुबह अनिवार्य रूप से खरीदी केन्द्र में उपस्थित रहें और धान खरीदी कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि डबल टोकन की स्थिति में रकबा सत्यापन के उपरांत ही धान खरीदी की जाए। साथ ही अब तक धान विक्रय करने वाले किसानों की संख्या, कुल खरीदी मात्रा तथा पिछले वर्ष की औसत खरीदी से तुलना की भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने मौके पर उपस्थित किसानों से संवाद कर खरीदी केन्द्रों की व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया और धान बिक्री के उपरांत शेष रकबे का अनिवार्य रूप से समर्पण करने की अपील की। इस अवसर पर अनेक किसानों द्वारा मौके पर ही शेष रकबे का समर्पण भी किया गया।

धान की बेहतर कीमत ने बढ़ाया किसान युगल का हौसला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और समर्थन मूल्य पर सुदृढ़ धान खरीदी व्यवस्था ने प्रदेश के किसानों के जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मविश्वास का नया संचार किया है। शासन द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी तथा समय पर भुगतान से किसानों का खेती के प्रति भरोसा और उत्साह दोनों बढ़ा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण ग्राम फेकारी के प्रगतिशील किसान श्री युगल किशोर साहू हैं, जिनकी मेहनत और शासन की नीतियों के समन्वय से परिवार का भविष्य उज्ज्वल हो रहा है। दुर्ग जिले के ग्राम फेकारी निवासी किसान युगल किशोर साहू ने बताया कि वे लगभग साढ़े सात एकड़ भूमि में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष शासन द्वारा की गई बेहतर व्यवस्थाओं के चलते उन्होंने अपनी फसल समर्थन मूल्य पर बेची, जिससे उन्हें संतोषजनक और सुरक्षित आय प्राप्त हुई। उनके चेहरे पर दिखती मुस्कान खेती से मिली आर्थिक मजबूती और आत्मनिर्भरता की कहानी स्वयं बयां करती है। श्री साहू ने बताया कि खेती से प्राप्त आय का उपयोग वे परिवार के सामाजिक और घरेलू दायित्वों को पूरा करने में कर रहे हैं।

संरचनात्मक सुधारों से छत्तीसगढ़ में निवेशकों का भरोसा बढ़ा, जमीनी क्रियान्वयन तेज - मंत्री लखन लाल देवांगन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ अब सिर्फ निवेश आकर्षित नहीं कर रहा उन्हें तेजी से जमीन पर भी उतार रहा है। नवंबर 2024 से अब तक राज्य ने 18 क्षेत्रों में 7.83 लाख करोड़ रूपए के 219 निवेश प्रस्ताव हासिल किए हैं। इनमें सेमीकंडक्टर और एआई से लेकर सीमेंट, बिजली और मैन्युफैक्चरिंग तक शामिल हैं। ये परियोजनाएँ राज्य के अन्य जिलों में फैली हैं, जिनसे 1.5 लाख रोजगार सृजित होंगे और यह पूरे राज्य में संतुलित विकास की ओर एक बड़ा संकेत है। प्रेस वार्ता में सीएसआईडीसीके अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सचिव उद्योग रजत कुमार, संचालक उद्योग प्रभात मालिक, सीएसआईडीसीके प्रबंध संचालक विश्वेष कुमार मौजूद थे। अब निवेश केवल रायपुर तक सीमित नहीं हैं। प्रश्तवित निवेशों की विशेष बात ये है कि हर 5 में से। निवेश (21 प्रतिशत) आदिवासी बहुल बस्तर संभाग में हैं। 33 प्रतिशत रायपुर संभाग में और 46 प्रतिशत बिलासपुर, दुर्ग और सरगुजा संभागों में। क्षेत्रीय विविधता ने मजबूती दी है। लगभग 50 प्रतिशत निवेश प्राथमिक (थ्रस्ट) क्षेत्रों में हैं जैसे सेमीकंडक्टर और एआई डेटा सेंटर पार्क वहीं सीमेंट और बिजली जैसे पारंपरिक उद्योग भी मजबूत बने हुए हैं। कुल निवेश प्रस्तावों में 57 परियोजनाएँ 1,000 करोड़ रूपए से अधिक की है और 34 परियोजनाएँ 1000 से ज्यादा रोजगार देने वाली हैं। असल कहानी है तेज क्रियान्वयन की। 6.063 करोड़ रूपए की 9 बड़ी परियोजनाएँ चालू हो चुकी हैं, जिनसे उत्पादन शुरू हो गया है और 5,500 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसके अलावा 109 परियोजनाएँ यानी लगभग आधी उन्नत चरण में हैं। ये या तो निमार्णाधीन हैं या भूमि आवंटन के बाद आगे बढ़ चुकी हैं। ये 24 जिलों और 16 क्षेत्रों में फैली हैं और जल्द ही 87,132 रोजगार सृजित करेंगी। खास बात यह है कि इनमें से 58 प्रतिशत परियोजनाएँ आतिथ्य एवं स्वास्थ्य, फूड प्रोसेसिंग, आईटी, इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल और फार्मा जैसे प्राथमिक

क्षेत्रों से जुड़ी हैं। प्रमुख परियोजनाएँ इस रफ्तार को साफ दिखाती हैं। पोलिमेटेक की 10,000 करोड़ रूपए से अधिक की सेमीकंडक्टर फेक्ट्री जो छत्तीसगढ़ की पहली हे को सिर्फ 45 दिनों में भूमि आवंटित हुआ और काम तेजी से शुरू हुआ। रेकबैंक का 1,000 करोड़ रूपए का एआई डेटा सेंटर पार्क-देश का पहला-अब लगभग पूरा होने वाला है। ड्रल्स का 625 करोड़ रूपए का पेट फूड विस्तार प्रोजेक्ट ट्रायल प्रोडक्शन में है और इससे 3,000 रोजगार मिलेंगे। वी-राइज का तीसरा भारत कार्यालय एक आईटी यूनिट निमार्णाधीन है। अल्ट्राटेक सीमेंट का 1,600 करोड़ रूपए का निवेश चालू हो चुका है। आदित्य बिड़ला समूह का 67.5 मेगावाट का सोलर प्लांट मई में शुरू हो गया। वहीं बस्तर में रापपुर स्टोन क्लिनिक का 350-बेड अस्पताल लगभग तैयार है, जिससे आदिवासी परिवारों को उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलेंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, ह्यजो राज्य कभी मुख्य रूप से लोह और इस्पात के लिए जाना जाता था. वह अब सेमीकंडक्टर, एआई डेटा सेंटर पार्क, नवीकरणीय ऊर्जा, फूड प्रोसेसिंग और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं जैसे नए क्षेत्रों का केंद्र बन रहा है। कंपनियाँ सिर्फ निवेश का निर्णय नहीं ले रहीं, बल्कि जल्द से जल्द काम शुरू करना बाहती हैं। हमारी सरकार हर उद्यमी के लिए व्यापार को आसान बनाने और हर चरण में पूरा सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।ह्य मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा, ह्यसुधारों ने विवेकाधिकार की जगह पारदर्शिता लाई है. जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसका असर साफ दिखता है सरल प्रक्रियाएँ और बड़े पैमाने पर जमीन पर उतरती परियोजनाएँ। यह साबित करता है कि संवेदनशील शासन उद्योग को गति देता है।ह्य वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने कहा हमारा फोकस यह सुनिश्चित करता है कि निवेश प्रस्ताव के बाद निवेशकों की गति न रुके। तेज भूमि आवंटन, डिजिटल स्वीकृतियों ओर बेहतर समन्वय से कंपनियों बिना देरी के इरादे से निर्माण तक पहुंच पा रही है। इस तेज उछाल के पीछे कई अग्रणी सुधार हैं-132 स्वीकृतियों के लिए वन-क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम जन विश्वास अधिनियम के तहत 279 छोटे अपराधों का अपराधमुक्तिकरण (दो जन विश्वास अधिनियम लागू करने वाला पहला राज्य), स्वचालित भूमि म्यूटेशन लागू करने वाला पहला राज्य; एफएआर और ग्राउंड कवरेज में वृद्धि और सेटबेक में कमी, डिजिटल भूमि विवरण (रजिस्ट्री. आरओआर, टैक्स बकाया, न्यायालय प्रकरण); लेआउट और भवन स्वीकृति के लिए एकीकृत सॉफ्टवेयर, 247 संचालन और विस्तारित फायर एनओसी। इन सुधारों के चलते डीपीआईआईटी से चार श्रेणियों में ह्यटॉप अचीवरह्य की मान्यता मिली। ये सभी पहल केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गति, जवाबदेही और जमीनी परिणामों पर केंद्रित प्रशासनिक संस्कृति को दशार्ती हैं। निवेश की विविधता और क्रियान्वयन की रफ्तार एक बात साफ कर देती है-छत्तीसगढ़ अब सिर्फ निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर नहीं कर रहा, बल्कि वास्तविक परियोजनाएँ बना रहा है, वास्तविक रोजगार पैदा कर रहा है और वास्तविक बदलाव ला रहा है।

परिवहन विभाग ने बिना वैध दस्तावेज के संचालित वाहनों पर की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। परिवहन विभाग द्वारा चेकिंग कार्यवाही के दौरान जिले में बिना वैध फिटनेस, प्रदूषण, परमिट एवं बीमा के जीप टैक्सीयों का संचालन पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए कुल 22 वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही कर 33.8 हजार शम्मन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा किया गया है। ऐसे जीप टैक्सी का संचालन न केवल विधि विरूद्ध है अपितु जन साधारण के जान माल को गम्भीर जोखिम पहुँचा सकते है। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा जीप टैक्सी के नियम विरूद्ध संचालन पर पूर्णत: रोक लगाये जाने हेतु वृहद् स्तर पर जप्ती की कार्यवाही की जायेगी।

परिवहन विभाग ने सभी टैक्सी वाहनों के संचालको का यह निर्देशित किया है कि वैध फिटनेस, प्रदूषण, परमिट एवं बीमा, ड्रायविंग लायसेंस निर्धारित मापदण्डों के साथ ही जीप टैक्सीयों का संचालन करें। ऐसे जीप टैक्सीयों का संचालन स्वत: बंद कर लेवें जो कि मोटर वाहन अधिनियम के प्रतिकूल तथा नियम विरूद्ध है। जिन व्यावसायिक वाहनों का परमिट धारण करने की आयु सीमा पूर्ण हो चुकी है ऐसे वाहन निजी वाहन प्रकार में परिवर्तित करवा कर निजी प्रयोजन हेतु उपयोग में ला सकते है। जिन निजी प्रकार में परिवर्तित वाहनों की आयु 15 वर्ष पूर्ण हो चुके है तथा संचालन योग्य है ऐसे वाहनों का अगले 05 वर्ष के लिये नियमानुसार पंजीयन नवीनीकरण करा लेवे साथ ही वैध बीमा, प्रदूषण, इत्यादि सहित वाहन का वालन करें। मार्ग में न चलाने लायक वाहनों का स्क्रैप कराकर आप शासन द्वारा लागू स्क्रैप पॉलिसी का लाभ भी ले सकते है।

उठाव के आभाव में जिले के खरीदी केंद्रों में लगा धान का अंबार

समिति का आरोप- समय पर नहीं हुआ उठाव तो प्रभावित होगी खरीदी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। धान खरीदी शुरू हुए एक माह से भी अधिक का समय बीत चुका है। धीरे धीरे शुरू हुआ धान बेचने का सिलसिला अब अपने शवाब पर पहुंच गया है। प्रतिदिन जिले के समितियों में धान बेचने के लिए बड़ी संख्या में किसान पहुंच रहे है। बताया गया है कि जिले में 2.48 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी भी हो चुकी है। सरकारी विज्ञप्ति में सफलता की कहानी भी जारी की जा रही है। इन सबके बीच समितियों से धान उठाव नहीं होने से खरीदी केंद्रों में धान का अंबार लग गया है जो समिति प्रबन्धको के लिए सिर दर्द बनता जा रहा है। केंद्रों की स्थिति यह है कि धान रखने के लिए समितियों में बनाये गए शेड पूरी तरह से धान की बोरियों से भरे पड़े है। खुले आसमान में धान खरीदी एवं उसे रखने के लिए समिति प्रबंधक मजबूर है। धान उठाव के आभाव में समिति की स्थित दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है जो समिति प्रबन्धको के साथ किसानों के लिए भी दिक्कत का विषय है। यहां जिला मुख्यालय के खरीदी केंद्र में ही बड़ी मात्रा में धान की खरीदी की जा चुकी है। मंडी परिसर में स्थित खरीदी केंद्र की स्थिति यह है कि यहां करीब 62 से 65 हजार बोरी धान खरीदी की जा चुकी है जो परिसर में बने शेड में रखा हुआ है और प्रतिदिन इस समिति में खरीदी की लिमिट से भी ज्यादा धान बिक्री हेतु किसानों के द्वारा लाया जा रहा है और स्थिति यह है कि अब यहां धान को सुरक्षित रखने के लिए कोई और व्यवस्था नहीं है। ऐसे में समिति के साथ किसान भी परेशान है। बताया गया है कि अगर जल्द ही धान उठाव नहीं हुआ तो समिति के सामने धान खरीदी को लेकर बड़ी समस्या उत्त्पन्न हो जाएगी। जिले के समितियों की चिंता का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि सहकारी समिति कर्मचारी संघ को कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर धान उठाव कराने की मांग करनी पड़ी है। कलेक्टर को सौपे अपने ज्ञापन में संघ ने बताया है कि विगत एक माह से धान खरीदी प्रारंभ है, जिले के लगभग सभी धान खरीदी केन्द्रों में अभी तक की जो स्थिति है उसके अनुसार लिमिट से अधिक धान खरीदी हो चुकी है परन्तु 19 दिसंबर की स्थिति में संग्रहण केन्द्र में उठाव प्रारंभ नहीं हो सका है। जिससे धान खरीदी केन्द्रों में अत्यधिक मात्रा में धान का स्टॉक हो चुका है। बहुत से धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी हेतु पर्याप्त जगह भी नहीं है। धान 14 से 17 प्रतिशत नमी में खरीदी किया गया है और अब धान में सुखत भी प्रारंभ हो चुका है, जिससे समितियों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। संघ ने स्पष्ट जर दिया है कि अगर दो दिनों में धान उठाव नही हो पाता है तो 22 दिसंबर से धान खरीदी का कार्य कर पाना संभव नही है। धान खरीदी का कार्य पूर्ण रूप से बंद हो जायेगा।

ढाई लाख क्विंटल धान की हो चुकी है खरीदी

जिले में अब तक कुल 2,48,817.28 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके लिए समितियों द्वारा कुल 18790 टोकन जारी किए गए हैं, जिनमें से 9,019 टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से जारी किए गए हैं। वहीं, जिले में 4432 किसानों द्वारा 158.91 हेक्टेयर रकबा का समर्पण किया गया है।

धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान जिला प्रशासन द्वारा अवैध धान भंडारण, खरीदी एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 46 प्रकरणों में 3,513.40 क्विंटल धान जप्त किया जा चुका है। साथ ही कलेक्टर के निर्देशन में जिले की सभी सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर अवैध धान भंडारण एवं परिवहन को रोकने के लिए 24 घंटे सतत निगरानी की जा रही है। संदिग्ध वाहनों की सघन जांच के साथ-साथ रात्रिकालीन गश्त भी की जा रही है। आंतरिक चेक पोस्टों पर विशेष टीमों की तैनाती की गई है। इसके अलावा जिले में कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने पर रोक लगाने तथा धान खरीदी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी हेतु जिले में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से खरीदी, भंडारण एवं परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है।

कलेक्टर ने ली मिलर्स की बैठक, उठाव में तेजी लाने के निर्देश

जिले में जारी धान खरीदी के मध्य शनिवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन ने मिलरों की बैठक ली। बैठक में खाद्य विभाग के अधिकारी, डीएमओ मार्कफेड, डीएम नागरिक आपूर्ति निगम, एफसीआई के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी सहित नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष गोयल भी मौजूद थे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन ने गोदामों की स्थिति, धान उठाव की वर्तमान स्थिति, मिलर्स के पास बारदाना की उपलब्धता की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान उठाव की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा न आए और खरीदी केंद्रों में धान का समयबद्ध उठाव सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने मिल पंजीयन अनुबंध, बैंक गारंटी जमा करने की स्थिति, धान उठाव में तेजी लाने, समितियों में समय पर बारदाना जमा कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मिलर्स के साथ चर्चा की। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी एवं उठाव की प्रक्रिया पारदर्शी और सुचारु रूप से संचालित की जाए।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं मिलर्स से कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और जिले में धान खरीदी व्यवस्था प्रभावी रूप से संचालित हो सके।

जिले में हाड़ कपाऊ ठंड और शीतलहर से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

सड़के हुई सुनी, अलावा बना सहारा

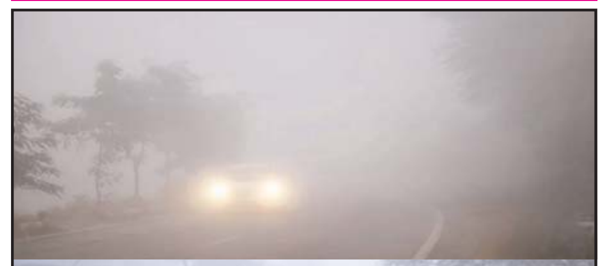

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर/बिहारपुर। जिला मुख्यालय से दूर स्थित पहाड़ी एवं वनांचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर इन दिनों कड़ाके के ठंड की चपेट में है। उत्तरी हवाओं के साथ पड़ रही हाड़ कंपाने वाली ठंड और शीतलहर ने आम जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि शाम ढलते ही लेकर सुबह करीब 11 बजे तक क्षेत्र में केवल घना कोहरा ही कोहरा नजर आता है। घने कोहरे के कारण सड़कों पर दृश्यता बेहद कम हो गई है। सुबह के समय पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है, वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही भी जोखिम भरी बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कोहरे और ठंड के कारण रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हो रहे हैं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र का बड़ा हिस्सा पहाड़ी और दूरस्थ इलाकों में स्थित है, जहां ठंड का असर और अधिक देखा जा रहा है। रात में तापमान तेजी से गिरने से शीतलहर का प्रभाव बढ़ गया है। खेतों, घास-फूस और खुले स्थानों पर पाले की मोटी परत जम रही है, जिससे पूरा इलाका सुबह सफेद नजर आता है।

क्षेत्र में ठंड से बचाव के लिए प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। सार्वजनिक स्थानों, बस स्टैंड, बाजार चौक और ग्रामीण इलाकों में अलाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इससे गरीब, मजदूर, बुजुर्ग और बच्चे ठंड में ठिठुरने को मजबूर हैं। घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के कारण सुबह से समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। मजदूर वर्ग देर से काम पर निकल रहा है, वहीं किसान भी खेतों में देर से पहुंच रहे हैं। कई ग्रामीणों ने बताया कि कोहरे के कारण रास्ते ठीक से दिखाई नहीं देते, जिससे चलना भी कठिन हो गया है। क्षेत्र के लोगों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में अलाव, कंबल वितरण और अन्य राहत उपाय शुरू किए जाएं, ताकि लोगों को कड़ाके की ठंड और घने कोहरे से राहत मिल सके। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और कोहरा और बढ़ सकता है। ऐसे में यदि समय रहते राहत के इंतजाम नहीं किए गए तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

कलेक्टर ने भैयाथान के आंबा केंद्रों एवं रेडी टू ईट प्लांट का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा विकासखंड भैयाथान के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों तथा रेडी टू ईट प्लांट का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं गर्भवती माताओं को दी जा रही सेवाओं, पोषण आहार की गुणवत्ता, उपस्थिति पंजी तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्रों में बच्चों के पोषण स्तर पर विशेष ध्यान देने और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रेडी टू ईट प्लांट के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पोषण आहार निर्माण प्रक्रिया, स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण एवं भंडारण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त पोषण आहार का निर्माण एवं वितरण किया जाए। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने अधिकारियों से कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों एवं रेडी टू ईट प्लांट की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि बच्चों एवं महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराया जा सके।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास)
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, मुख्यालय बलरामपुर (छ.ग.)

फोन नम्बर 07831-299063 ई-मेल :- acbalrampur@gmail.com

संक्षिप्त द्वितीय ई-निविदा सूचना

क्रमांक 2994 / निर्माण / आ.वि. / 2025 बलरामपुर, दिनांक 17.12.2025

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज अन्तर्गत निम्नानुसार छात्रावासों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्यो हेतु ई-टेडर के माध्यम से प्रतिशत दर पर दिनांक 29.12.2025. तक ऑनलाईन द्वितीय निविदा आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि
1	2	3
181764	प्री. मै. आदिवासी बालक छात्रावास बलंगी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण	1200000
181765	प्री. मै. आदिवासी कन्या छात्रावास कोगवार में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण	1200000

निविदा की सामान्य शर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट https;//eproc.cgstate.gov.in/ में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी-252605573/1

मतदाता पुनरीक्षण के दूसरे चरण एवं संगठात्मक कार्य पर हुई भाजपा की कार्यशाला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण एव संगठात्मक कार्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी का विधानसभा स्तरीय कार्यशाला का आयोजन रामानुज नगर के मंगल भवन में संपन्न हुई ।कार्यशाला में बतौर अतिथि जिला संगठन प्रभारी शिवनाथ यादव प्रेमनगर विधायक फूलन सिंह मरावी पूर्व जिला अध्यक्ष कोरिया कृष्ण बिहारी जायसवाल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल पूर्व जिला अध्यक्ष रामकृपाल साहू एवं जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित कार्यकर्ताओं को वरिष्ठ नेताओं का एस आई आर के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन पार्टी के बूथ अध्यक्ष वह बीएलए 2 को मिला । इस कार्यशाला का उद्देश्य दूसरे चरण में होने वाले कार्यों को प्रभावी ढंग से संपादित करने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित व प्रेरित करना रहा । कार्यशाला को संबोधित करते हुए संगठन प्रभारी शिवनाथ यादव ने एस आई आर के संबंध में कार्यकर्ताओं को विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए कहा कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण का यह कार्य निर्वाचन आयोग द्वारा 2003 के बाद कराया जा रहा है इसे मतदाता सूची का शुद्धिकरण भी कहा जाता है । इसका असर चुनाव के दौरान पोलिंग बूथ पर देखने को मिलेगा पहले चरण का काम हो चुका है अब फिर का दूसरा चरण प्रारंभ होने वाला है उसमें हमारे बीएलए 2 की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है । बीएलए 2 यदि इस चरण में थोड़ा मेहनत कर लेंगे तो यह न सिर्फ पार्टी के लिए बल्कि पार्टी के जो कार्यकर्ता स्थानीय चुनाव लड़ते हैं उनके लिए भी फायदेमंद रहने वाला है । प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को दूसरे चरण में पुन: सक्रियता से कार्य करना है। बुथ के कार्यकर्ता ही पंच सरपंच बी डी सी डीडीसी पार्षद विधायक सांसद बनाते है। अपने दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को साझा करते हुए विस्तृत जानकारी दी। वही कोरिया के पूर्व जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने भी मतदाता सूची को गहन पुनरीक्षण कार्य के लिए हमारे सभी कार्यकर्ताओं को जोर शोर से लगकर उसमें किए जाने वाले संभावित गड़बड़ियों को रोकने तथा अपने मतदाताओं का नाम हर हाल में जुड़वाने का काम करें कृष्ण बिहारी जायसवाल ने पार्टी के बूथ अध्यक्ष व बीएलए 2 की बूथ पर भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए पार्टी को इन पर विशेष ध्यान देने की बात कही । कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी वरिष्ठ नेता भीमसेन अग्रवाल व रामकृपाल साहू ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग ने किया। इस अवसर पर रामानुजनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया । आभार प्रदर्शन कार्यक्रम प्रभारी रामानंद जायसवाल ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश अग्रवाल रेखा राजलाल राजवाड़े संदीप अग्रवाल मुकेश गर्ग दीपक गुप्ता संत सिंह स्वाति सिंह गुलाब सिंह संध्या सिंह शैलेश अग्रवाल राजेश्वर तिवारी अरविंद मिश्रा विजय राजवाड़े मिथिला बंजारा कैलाश सिरदार अनिल साहू दीपैंद्र चौहान राजेश यादव अजय श्याम नूतन विश्वास देव गुप्ता सौभाग्य दुबे सहित प्रेमनगर विधान सभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यशाला के बाद जिला प्रभारी व वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के सभी छ: मंडलों की अलग-अलग मंडलवार समीक्षा की गई। जिसमें रामानुजनगर, प्रेमनगर, देवनगर, सूरजपुर शहर, सूरजपुर ग्रामीण व बिश्रामपुर मंडल के सभी शक्ति केंद्र प्रभारी संयोजक सहसंयोजक बुथ अध्यक्ष व बी एल ए 2 द्वारा एस आई आर प्रथम चरण में हुए कार्यों की जानकारी दी गई।

रामानुजनगर मंगल भवन में हुआ आयोजन

देश को संगठित करने एवं राष्ट्रीय निर्माण में सभी का योगदान आवश्यक : अभय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूर्ण करने पर यहां के महादेव बस्ती का विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन अग्रसेन चौक में शुक्रवार को किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक अभय राम ने कहा कि संघ ने सौ वर्ष पूरा किया है जिसकी स्थापना डॉक्टर हेडगेवार ने सन 1925 में नागपुर के मोहिते वाडा में किया था । कुछ लोगों के साथ शुरू किया गया संघ ,स्थापना आज विश्व के सबसे बड़े संगठन के रूप में खड़ा है। पूरी दुनिया आज संघ की ओर आशा भरी निगाह से देख रही है संघ हिंदू परिवार व्यवस्था पर विश्वास रखता है हमारा हिंदू जीवन पद्धति ,जीवन मूल्य भी श्रेष्ठ पद्धति है। उन्होंने बताया कि एक बार महारानी विक्टोरिया उत्तर प्रदेश आई थी और वह एक परिवार में रुकी थी। जब वह इंग्लैंड वापस गई तो उन्होंने कहा कि समाज को ठीक करना है तो परिवार व्यवस्था जो भारत में है उसे यहां भी लागू करना पड़ेगा। श्री राम ने बताया कि भारत में परिवर्तन लाने के लिए हमें अपने कुटुंब व्यवस्था को ठीक करना पड़ेगा। हमारे परिवार में अनौपचारिक बातचीत होनी चाहिए एक साथ परिवार का भोजन होना आवश्यक है। सप्ताह में एक दिन एक बार पूरा परिवार एक साथ पूजा में बैठे, परिवार सहित भ्रमण की योजना प्रतिवर्ष बननी चाहिए। हमारा घर भी हिंदू जीवन आधारित अर्थात वास्तु के हिसाब से बनना चाहिए, परिधान अर्थात पहनावा भी भारतीय होना चाहिए। हमारे बोलचाल व हस्ताक्षर भी हिंदी में हो यह जरूर ध्यान देना चाहिए। हमें अपने पर्यावरण की रक्षा भी करनी है। पर्यावरण संरक्षण में हमें पेड़ लगाना है, हम ऑक्सीजन लेते हैं कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं एक व्यक्ति के जीवन के लिए 240 पेड़ की आवश्यकता होती है पूरे समाज को पेड़ लगाने का अभियान चलाना चाहिए। पर्यावरण के लिए प्लास्टिक सबसे बड़ा अभिशाप है इसलिए हमें कम से प्लास्टिक का कम उपयोग और जल संरक्षण करना है। हिंदू समाज को ऊंच नीच की भावना घुन की तरह कमजोर कर रही है इसलिए इस भाव को समाप्त करना है । जब हमारे आराध्य श्री राम- निषाद राज को गले लगाते हैं और शबरी माता जो दलित समाज से आती हैं का झूठा बेर खाते हैं तो हमें भी अपने रसोई तक सभी को आने के लिए प्रेरित करना चाहिए। हमें स्वदेशी की चिंता करनी है और अपने देश में बने वस्तुओं का उपयोग करना है। हमें भारत में बने कानून का पालन करना चाहिए ,नागरिक कर्तव्य का पालन हमें स्वयं से करना चाहिए। उन्होंने हिंदू समाज से आह्वान किया कि अपने आने वाले समय में हम सभी एक होकर , इस देश को आगे बढ़ाने में अपना अधिक से अधिक योगदान दें। कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती विमला भगत जो की उरांव समाज की सचिव है ने कहा कि हमारे आदिवासी जनजाति भाई-बहन प्रलोभन में आकर अपना धर्म बदल रहे हैं उन्हें अपना धर्म नहीं छोड़ना है बल्कि हमें अपने घर में बच्चों को हिंदू जीवन मूल्य परंपरा और अपने संस्कार देना चाहिए ताकि वह भी हमारे जीवन मूल्यों को समझ सकें। कार्यक्रम में महादेव बस्ती के सभी समाज प्रमुखों को मंच से शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती की गई। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के अध्यक्ष पवन अग्रवाल एवं मंच संचालन हिमांशु अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में मनोज जायसवाल, शंकर अग्रवाल, अमरदीप देवांगन, अंकुर तिवारी, आनंद सोनी, शशिकांत गर्ग एवं हिमांशु जैन सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

एसईसीएल अंतर-क्षेत्रीय नारी शक्ति खेल महोत्सव 2025-26 का भव्य शुभारंभ

अध्यक्षा श्रद्धा महिला मंडल एवं एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला शशि दुहन के मुख्य आतिथ्य में हसदेव एरिया में चल रहा है खेल महोत्सव

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय नारी शक्ति खेल महोत्सव 2025ङ्क26 का भव्य शुभारंभ दिनांक 20 दिसंबर 2025 को सद्भावना खेल परिसर, क्षेत्रीय मुख्यालय, एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में हुआ। यह महोत्सव श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन तथा महिला मंडल की उपाध्यक्षगण श्रीमती अनीथा फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनीता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्रा के, मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह का आयोजन सद्भावना खेल परिसर, क्षेत्रीय मुख्यालय, एसईसीएल हसदेव क्षेत्र में किया गया, जहाँ मुख्य अतिथि के रूप में श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन ने खेल महोत्सव का दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण, कोल इंडिया गीत एवं मशाल प्रज्वलन कर विधिवत उद्घाटन किया। यह अंतर-क्षेत्रीय महोत्सव दिनांक 20.12.2025 से 21.12.2025 तक आयोजित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के अवसर पर महिला मंडल की उपाध्यक्षगण श्रीमती अनीथा फ्रैंकलिन, श्रीमती इप्सिता दास, श्रीमती हसीना कुमार, श्रीमती विनीता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्रा, विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधकगण, महिला समितियों की अध्यक्षाएँ, हसदेव क्षेत्र के सभी विभागाध्यक्ष, स्टाफ अधिकारी, मानव संसाधन विभाग की टीम, जागृति महिला समिति के सदस्यगण एवं एसईसीएल के 13 क्षेत्रों तथा 03 इकाइयों से लगभग 325 महिला प्रतिभागी उपस्थित रहे। महोत्सव के अंतर्गत बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, 50 मीटर दौड़, 50 मीटर रिले रेस, फ्लाइंग डिस्क एवं विविध फन गेम्स जैसे मटका बैलेंस रेस, वन लेग रेस, जलेबी रेस एवं पिक एंड रन रेस का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के ठीक बाद उपरोक्त सभी खेलों का आरंभ हुआ, जिसमें प्रतिभागी महिलाओं ने खेल भावना, अनुशासन एवं टीम स्पिरिट का उत्कृष्ट परिचय दिया। महोत्सव का समापन आज दिनांक 21.12.2025 को एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन ने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, आत्मविश्वास एवं सामूहिक ऊर्जा का उत्सव है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि गृहिणियाँ पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में अपने लिए समय नहीं निकाल पातीं, ऐसे में यह महोत्सव उन्हें खेल के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने सभी टीमों को शुभकामनाएँ देते हुए आयोजन की सफलता की कामना की। कार्यक्रम के आरंभ में जागृति महिला समिति की अध्यक्षा डॉ. सरोज बाला श्याग बिश्नोई ने कंपनी मुख्यालय बिलासपुर से पधारी श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन तथा महिला मंडल की उपाध्यक्षगण का पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत किया तथा आयोजन को संपन्न करने हेतु उनके द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस आयोजन को महिलाओं के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक पहल बताया।

यह महोत्सव श्रद्धा महिला मंडल के तत्वावधान में एसईसीएल के मानव संसाधन विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्री नितिन गुप्ता एवं श्रीमती तृप्ति पांडेय द्वारा किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया श्री अग्रसेन विवाह उत्सव योजना का भव्य शुभारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। नगर की प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्था राजस्थान भवन द्वारा गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल की शुरुआत की गई है। बढ़ती महंगाई के दौर में विवाह जैसे पारिवारिक आयोजनों का आर्थिक बोझ कई परिवारों के लिए चिंता का कारण बन जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए राजस्थान भवन ने शनिवार को श्री अग्रसेन विवाह उत्सव योजना की शुरुआत की है जिसका शुभारंभ छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के करकमलों से पोस्टर विमोचन के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्यामसुंदर पोद्दार ने योजना की अवधारणा और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह योजना उन परिवारों के लिए संजीवनी साबित होगी जो सीमित संसाधनों के कारण विवाह की समुचित व्यवस्था नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि राजस्थान भवन का प्रयास है कि विवाह जैसे पवित्र संस्कार को गरिमा और सम्मान के साथ संपन्न कराया जाये। उन्होंने जानकारी दी कि इस योजना के अंतर्गत एक ही परिसर में विवाह से जुड़ी सभी प्रमुख सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें भवन की व्यवस्था, वर-वधु एवं अतिथियों के लिए भोजन, आकर्षक फूल एवं फ्लावर डेकोरेशन, बैंड-बाजा, रोड लाइट, ब्यूटीशियन की सुविधा, मंच और सजावट, पंडित तथा पूजन सामग्री शामिल हैं। इसके साथ ही विदाई के समय पर वधु पक्ष को 10 किलो मिठाई प्रदान की जायेगी। यह पूरी योजना सहयोगात्मक और न्यूनतम खर्च पर आधारित होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने राजस्थान भवन की इस पहल को समाज के लिये अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि मनेन्द्रगढ़ हमेशा से दान, सेवा और सामाजिक सहयोग के लिये जाना जाता रहा है। इस योजना के माध्यम से अनेक जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिलेगा और समाज में सकारात्मक संदेश जायेगा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यदि समाज की संस्थाएं इस प्रकार आगे आयें तो आर्थिक कारणों से कोई भी परिवार अपने बच्चों के विवाह को लेकर परेशान नहीं रहेगा। राजस्थान भवन की यह पहल निश्चित रूप से सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को और मजबूत करेगी।

कड़ाके की ठंड से बचने बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी की सलाह

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) । जिले में इन दिनों पड़ रही कड़ाके की ठंड ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। लगातार गिरते तापमान के कारण सबसे अधिक परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों को हो रही है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में इजाफा होने की आशंका है।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने आमजन को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है जिससे सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार, सांस की दिक्कत, जोड़ों के दर्द और हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सुबह-शाम की ठंडी हवा से बचाना जरूरी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर ना निकलें। यदि बाहर जाना आवश्यक हो तो ऊनी कपड़े, जैकेट, टोपी, मफलर, मोजे और दस्ताने पहनकर ही निकलें। बच्चों को ठंडे फर्श पर बैठने या खेलने से रोकें और उन्हें पूरी तरह गर्म कपड़ों में रखें। खान-पान को लेकर उन्होंने कहा कि ठंड में गर्म और पौष्टिक भोजन का सेवन बेहद जरूरी है। सूप, दाल, दूध, हल्दी वाला दूध, काढ़ा, अदरक-तुलसी की चाय शरीर को गर्म रखने में सहायक होती है। ठंडे पेय पदार्थों और ठंडे पानी से परहेज करें। उन्होंने यह भी सलाह दी कि लोग गुनगुने पानी का उपयोग करें। हल्का व्यायाम करें और धूप जरूर लें। हीटर या अलाव का उपयोग करते समय कमरे में हवा की पर्याप्त व्यवस्था रखें ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने अपील की कि यदि किसी को तेज बुखार, लगातार खांसी, सांस लेने में परेशानी या सीने में दर्द महसूस हो तो लापरवाही ना बरतें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। समय पर सावधानी और सतर्कता अपनाकर ठंड के मौसम में स्वयं और परिवार को सुरक्षित रखा जा सकता है।

सरस्वती शिशु मंदिर में होगा 22 साल पूर्व के छात्रों का समागम आज

आयोजन को यादगार बनाने की गई व्यापक तैयारियां

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में 1970 में शुरू हुई सरस्वती शिशु मंदिर संस्थान के पचपन साल के इतिहास में पहली बार पूर्व छात्रों का सम्मेलन होने जा रहा है । यह आयोजन 21 दिसम्बर 2025 दिन रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में होगा । कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए स्कूल के प्राचार्य विनोद शुक्ला ने बताया कि 1983 से 2005 तक विद्यालय से पढ़कर निकले भैया और बहिन पूर्व छात्रों के सम्मेलन में शामिल होंगे । विद्यालय के सभी पूर्व छात्रों के सहयोग से आयोजन को लेकर रूपरेखा बनाई गई है । समागम में 500 से अधिक छात्र शामिल होंगे जो स्कूल में बिताए हुए अपने दिनों को याद करेंगे। सुबह 8 बजे से सम्मेलन शुरू होगा जो शाम 6 बजे तक चलेगा जिसमे पूर्व और वर्तमान में कार्यरत आचार्यो का सम्मान और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे । इसके अलावा विद्यालय से शाम चार बजे घोष दल के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी जो भगत सिंह तिराहे होकर जैन मंदिर गुरुद्वारा विवेकानंद चौक राम मंदिर होते हुए विद्यालय में समाप्त होगी । इस दौरान शोभायात्रा का लोगों द्वारा स्वागत भी किया जाएगा । आयोजन को भव्य बनाने के लिए जगह - जगह स्वागत द्वार भी बनाये गए है ।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में चौथी अभिभावक-शिक्षक बैठक का सफल आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। संभाग के सर्वश्रेष्ठ सीबीएसई द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालय दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेंद्रगढ़ में शनिवार को कक्षा नर्सरी से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों हेतु चौथी अभिभावकङ्कशिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्कूल प्रबंधन, शिक्षकगण एवं अभिभावकों के बीच विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, द्वितीय आवधिक मूल्यांकन, कक्षा कार्य, उपस्थिति तथा समग्र विकास पर विस्तृत चर्चा की गई। बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति ने बैठक को सफल और सार्थक बनाया।इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी के द्वितीय आवधिक मूल्यांकन के परिणाम साझा किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की विशेष रूप से सराहना की गई। साथ ही आगामी परीक्षाओं की तैयारी, अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था एवं गृहकार्य प्रबंधन पर भी विचार-विमर्श हुआ। अभिभावकों को बच्चों के मोबाइल उपयोग, अध्ययन अनुशासन एवं समय-सारिणी को लेकर उपयोगी सुझाव दिए गए। बैठक में खेलकूद, योग, पर्यावरण जागरूकता एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया। इसके अतिरिक्त कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के प्रस्तावित शैक्षणिक भ्रमण पर भी चर्चा की गई।अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था की सराहना करते हुए पाठ्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए, जिन्हें विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने स्वागत योग्य बताते हुए सकारात्मक रूप से स्वीकार किया।

अमृतपुर पंचायत भवन हमेशा रहता है बंद ग्रामीणों को मुलभुत सुविधाओं के लिए भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है सचिव अपने निज निवास काम के लिए बुलाता है

छ.ग.फ्रंटलाइन सोनहत। जनपद पंचायत सोनहत के अमृतपुर ग्राम पंचायत हमेशा बंद रहता है जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है छोटी मोटी काम के लिए भी ग्रामीण क ई बार पंचायत भवन का चक्कर लगाते है यहां के सचिव संतोष सिंह डबल प्रभार में है उज्ञांव एवं अमृतपुर इसी प्रकार रोजगार सहायक तीबल प्रभार में है उज्ञांव रामगढ़ अमृतपुर तीन पंचायत का प्रभार होने के कारण न तो सचिव को टाईम है न तो रोजगार सहायक को इस कारण अभी अमृतपुर में मलाई थोड़ा कम है इसी कारण हमेशा बंद रहता है शासकीय योजनाओं की जानकारी के लिए पंचायत भवन का चक्कर लगाना पड़ता है कभी कभार पंचायत भवन खुलता भी है तो एक रोजगार गारंटी का आदमी कुछ देर तक रहता है सचिव रोजगार सहायक कभी भी नहीं बैठते हैं प्रत्यक्षदर्शी ग्रामीणों का भी कहना है कि पंचायत नियमित नहीं खुलने से शासकीय योजनाओं का लाभ के लिए भटकना पड़ता है सचिवों का डबल तीबल प्रभार होने के कारण पंचायत भवन कभी नहीं खुलता है सचिव अपने अपने सुविधा अनुसार जनपद कार्यालय से सांठ गांठ करके मलाई वाले पंचायतों में ज्यादा ध्यान देते हैं ग्रामीणों का सरकार सुविधा के लिए बनाया है लेकिन यहां जनपद कार्यालय आने बिना ग्रामीणों का का म कभी बनता ही नहीं है

जहरीले दवा का सेवन किए युवक की स्वस्थ होने के बाद पुनः तबियत बिगड़ी, हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब के नशे में घास मारने वाले दवा का सेवन किए युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। स्वजन युवक को एक बार इलाज के बाद घर ले गए थे, बाद में पुनः तबियत बिगड़ने पर निजी अस्पताल में भर्ती कराए थे। सूरजपुर जिला के जयनगर थाना अंतर्गत ग्राम सिलफिली, कमलपुर निवासी सुदेव सरकार ने पुलिस को बताया है कि मैं आकाश सरकार उनका छोटा लड़का था, जो अंबिकापुर में एक टेंट हाउस में काम करता था। 15 दिसम्बर को शाम करीब 5.30 बजे राजमिस्त्री का काम करके जब वह घर वापस आया तो आकाश का मोटरसायकल घर पर था। परिवार के सदस्यों से आकाश के बारे में पूछने पर उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की। इसके बाद मोबाइल में आकाश से बात हुई तो वह घर आ रहा हूं, कहा। बातचीत के दौरान आकाश शराब के नशे में लग रहा था। कुछ देर बाद वह पैदल घर आया, और अत्यधिक नशे में उल्टी करने लगा। पूछताछ करने पर वह शराब के नशे में घास मारने वाले जहर पी लेने की जानकारी दिया, लेकिन जहर पीने का कारण नहीं बताया। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां दो दिनों तक इलाज चला। तबियत में सुधार होने के बाद चिकित्सक ने उसे डिस्चार्ज कर दिया और आवश्यक गोली, दवा लेकर घर भेज दिया था। घर आने के बाद उन्होंने आकाश से जहर पीने का कारण जानना चाहा, लेकिन वह कुछ नहीं बताया। 17 दिसम्बर की शाम को उसका तबियत पुनः खराब हो गया और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। स्थिति खराब देखकर स्वजन उसे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां आईसीयू में इलाज के दौरान 19-20 दिसम्बर की दरम्यानी रात 1.52 बजे चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा